म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE AND CRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-9

(ग्राम श्री व 'नाना साहेब की पुत्री मैना को भस्म कर दिया गया' पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान -1 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

बहुत याद आता है मुझको अपना प्यारा गाँव
कैसे भूलूँ, भूल ना पाऊं अपना प्यारा गाँव
नहर किनारे आम बगीचा,
हरी घास का बिछा गलीचा,
याद आ रहा अब भी मुझको
वह प्यारा-सा गाँव,
जहां बैठकर हम थे बहाते,
पत्ते-कागज की नाव।
बरगद छैया, खेल खिलैया,
छुपा-छुपाई और गल बहिया,
खलिहानों में खेल कबड्डी,
मैं हूँ अव्वल, तू है फिसड्डी,
जो होता था सबसे छोटा,
उससे लेते दाँव,
कैसे भूलू प्यारा गाँव।
देखकर पीली-पीली सरसों,
मन हर्षित रहता था बरसों,
श्यामा, कजरी, भूरी गायें,
नाम पुकारत, हुंकरत आएँ,
श्याम सलोनी, संध्या आती,
पहन के पाँव में पायल।

1. गाँव शहर से किस प्रकार भिन्न है?
2. गांव प्राकृतिक छटा का केंद्र है। आप इससे कितना सहमत है?
3.शहर की अपेक्षा गांव में नारी का सम्मान अधिक है।अपने अनुभव के आधार पर उत्तर दीजिए।

4. मेरे गांव में सूर्योदय 5:00 बजे तथा सूर्यास्त 7:00 बजे होता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय घड़ी की घंटे वाली सुईओं के बीच में कितने डिग्री का कोण होगा?

5. कविता में प्रयुक्त देशज शब्दों का चयन कीजिए।

- संदीप कुमार हिन्दी प्राध्यापक, रा.उ.वि. चानोत (हाँसी-1) हिसार

प्रतिमान -2 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

शहरी संस्कृति की चपेट में आने से गाँव ने अपना पुराना स्वरूप ही खो दिया है। अब वे न तो गांव ही रहे और न ही शहर बन पाए हैं। अंधी आधुनिकता की दौड़ में वे बस बीच रास्ते में ही लटक कर रह गए हैं। बाजार के बेरहम हमले ने गाँवों से उसका सादा चरित्र तथा दूध से धुली उसकी बेदाग आत्मा छीन ली हैं। अब गाँवों से उसका - भोलापन, आत्मनिर्भरता और अपनापन काफी कोसों दूर जा चुके हैं। पहले वाले अब ना गाँव रहे, न घर। न जंगल रहे और न ही खेत। अब न गाँव की चौपाल में लोग बैठते हैं , और न ही न्याय - नीति की बातें चलती हैं। ग्रामीण समाज 'अपनी-अपनी ढफली अपना -अपना राग' हो चुका हैं। अपने -अपने पैंतरे हैं, अपने-अपने दांव चल रहे हैं। हर जगह ठगबाजी है। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में जिन गाँवों का चित्रण किया है, वे गाँव अब चिराग लेकर ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे। गाँव बस नाम के ही रह गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति तथा पाश्चात्य संस्कृति की बेलगाम दौड़ में गाँवों की सांस्कृतिक धरोहर तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। वर्तमान सामाजिक वातावरण एवं चकाचौंध ने मानो इंसान को पागल कर दिया है। शारीरिक और मानसिक विकास के प्रति बेपरवाह रुख को बढ़ावा दिए जाने से गाँवों में प्रचलित खेल और मेले लुप्त होते जा रहे हैं। आज गाँवों में भरने वाले लोक मेलों में पहले वाला खिंचाव व आकर्षण नहीं रहा हैं। अब वे बदमाशी व लूट के अड्डे बनते जा रहे हैं। अब त्योहार सिर्फ नाममात्र को मनाए जाते हैं। इसने गाँवों के लोक संगीत, नाट्य व गायन को भी निगल लिया हैं। आज किस्से , कहानियों, भजन व सांग की भी परंपरा गाँवो से लुप्त हो गई हैं। आज गाँवों में पनघट की चहल -पहल, बैल गाड़ियों एवं रथों की रेलपेल , पगड़ी की इज्जत और अलावों की रौनक बहुत फीकी पड़ गई है। कृषि के यंत्रीकरण से आज खेतों की जोत ट्रैक्टरों से की जाने लगी है। अतः बैलों का हल कबाड का स्थान लेते चले गये और किसान के खूंटे से पशुधन खुलता चला गया। जहाँ पहले हर ग्रामीण परिवार में पांच-सात पशु होते थे, आज स्थिति इसके उलट हो गई है। अब पांच-सात परिवारों को मिलाकर दो पशु हैं। गोबर की कमी के कारण अब खेतों में रासायनिक खादों का इस्तेमाल शुरू हो गया है। यह खाद तत्काल लाभ तो अवश्य

देती है लेकिन इसके निरंतर अधिक प्रयोग से खेत धीरे -धीरे अपनी उर्वरा शक्ति खोते जा रहे हैं। आधुनिक संसाधानों के बढ़ते प्रचलन तथा उपभोक्तावाद ने गाँव की प्राचीन पारंपरिक रूचियों को भी काफी विकृत कर डाला है। देहात का खान - पान, रहन-सहन और पहनावा सब कुछ तो बदल गया है। गाँवों में दूध -दही, छाछ, रबड़ी, खिचड़ी आदि लोक पेयों का चलन कम हो गया हैं।

प्रश्न 1 गांव क्यों बदल रहे है, बदलाव की इस प्रक्रिया में गाँवों को क्या लाभ हो रहा है?

प्रश्न 2 मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में जिन गाँवों का वर्णन किया है, वे अब ढूंढने से भी क्यों नहीं मिल रहे हैं।

प्रश्न 3 खेतों की उर्वराशक्ति कम क्यों हो रही है?

प्रश्न 4 कल्पना कीजिए कि शहरीकरण से गाँव की क्या दशा हो जाएगी?

प्रश्न 5 एक वस्तु को 270रूपये में बेचने पर किसी व्यक्ति को 10% की हानि होती हैं। वह उसे किस मूल्य पर बेचे की उसको 20% लाभ हो।

क-264 ख-260 ग-300 घ-360

- **सत्यबीर** सिह **राणा, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. जाखोली,राई, सोनीपत**

प्रतिमान -3 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

कितनी अच्छी लगती है,
जिधर नजर आती हरियाली।
आंखों को तृप्ति देती है,
मन को हर्षाती हरियाली,
हवा में झूमते पेड़ों के पत्ते,
और झुकी फूलों से डाली
अपने घर में तुम भी कुछ
अपनी पसंद के फूल लगाओ
उनको उगता बढ़ता देखो।
और इसका आनंद उठाओ
प्रकृति की देन से,
नाता जोड़ो, तालमेल बिठा लो।

उपर्युक्त पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. प्रकृति चित्रण से क्या अभिप्राय: है ? 20-30 शब्दों में बताइए
2. प्रकृति के प्रति हमारे क्या-क्या दायित्व बनते हैं? जिनकी हमें ईमानदारी से पालना करनी चाहिए।
3. मानव जाति के लिए हरियाली बेहद आवश्यक है, हरियाली से यहां क्या अर्थ है?
4. एक बाग में 3025 पौधे इस प्रकार लगाए जाने हैं कि प्रत्येक पंक्ति में उतने ही पौधे हो जितने पंक्तियों की संख्या है। पंक्तियों की संख्या क्या होगी?

   क. 45 ख. 55 ग. 65 घ. 35

5. एक आयताकार पार्क जिसकी लंबाई 24 मीटर चौड़ाई और 16 मीटर है। यदि लंबाई व चौड़ाई के समानांतर बीचो-बीच 2 मीटर चौड़ी सड़क है। सड़क रहित पार्क का क्षेत्रफल क्या है?

   क. 460 वर्ग मीटर ख. 308 वर्ग मीटर ग. 304 वर्ग मीटर घ. 384 वर्ग मीटर

-संदीप कुमार ,बीआरपी हिन्दी**, ब्लॉक - कथूरा**

प्रतिमान -4 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

यह प्रकृति कुछ कहना चाहती है ,
यह प्रकृति कुछ कहना चाहती है,
अपने दिल के भेद खोलना चाहती है,
भेजती रही है हवाओ द्वारा अपना संदेश
जरा सुनो तो! जो वह कहना चाहती है
उसका अरमान उसकी चाहत है क्या?
सिवा आदर के वह कुछ चाहती है क्या?
बस थोड़ा सा प्यार थोड़ा सा ख्याल,
यही तो मात्र मांग है इसकी ,
और भला वह हमसे मांगती है क्या ?
यह चंचल नदिया इसका लहराता आंचल,
है काले केश यह काली घटाओं सा बादल,
हरे-भरे वृक्ष, पेड़ पौधे और वनस्पतियां ,
हरियाली सी साड़ी में लगती है क्या कमाल
इसका रूप श्रंगार हमारी खुशहाली नहीं है क्या?
है ताज इसका यह हिमालय पर्वत
उसकी शक्ति हिम्मत शेष सभी पर्वत
अक्षुण्ण रहे हैं यह तटस्थभाव मजबूती
क्योंकि इसका गर्व हैं यह सभी पर्वत|
इसका यह गौरव हमारी सुरक्षा नहीं है क्या?
यह रंगीन बदलते हुए मौसम,
शीत ,बसंत,ग्रीष्म औ सावन ,
हमारे जीवन सा परिवर्तनशील यह,
और सुख-दुख जैसे रात-दिन
जिनसे मिलता है नित कोई पैगाम नया क्या?

इस प्रकृति पर ही यदि निर्भरता है हमारी,

सच मानो तो यही माता भी है हमारी,

हमारे अस्तित्व की परिभाषा अपूर्ण है इसके बिना,

यही जीवनदायिनी व यही मुक्तिदायिनी है हमारी|

अपने ही मूल से नहीं हो रहे हम अनजान क्या?

हमें समझाना ही होगा अब तक जो ना समझ पाए,

दिया ही दिया उसने अब तक अपना सर्वस्व कभी लिया नहीं,

इसके एहसानों, उपकारों का मोल क्यों न चुका पाए?

प्रश्न 1 प्रकृति को जीवन दायिनी क्यों कहा गया है ?

प्रश्न2 सुमित्रानंदन पन्त को प्रकृति के सुकुमार कवि के रूप में क्यों जाना जाता है?

प्रश्न 3 हमारे जीवन की तरह यह प्रकृति भी परिवर्तनशील है| कैसे? 20-30 शब्दों में लिखें|

प्रश्न 4 1990 में एक गांव की जनसंख्या 350000 है |यदि सन 2000 तक जनसंख्या 300000 हो जाए गांव की जनसंख्या कितने प्रतिशत कम हुई है|

क %6 ख %6.4 ग %6.38 घ 7.28%

प्रश्न 5 ईशा , निशा,टीना और रीना के 400 मीटर की दौड़ का परिणाम क्रमशः 9.9, 9.09, 9.009 तथा 9.80 सैकैंड है| इन चारों में से सबसे कम समय किसने लिया?

- सुमन, **बीआरपी** हिन्दी , ब्लॉक गोहाना , सोनीपत

प्रतिमान -5 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

प्रकृति की छवि मनोहर, देख के होता हर्षित मन
कलम उठा कर चित्रण करती ,गांव का सुंदर जीवन
दुल्हन- सी सजी धरती, हरियाली चूड़ी पहने
पीली सरसों ने धारण, कर लिए हो जैसे गहने
सूरज लालिमा की ओढ, चुनरी आंचल को लहराए
सूरजमुखी-सा देख के चेहरा, मन पुलकित हो जाए
अनंत आकाश को छूने की, ईख, मकई ने होड़ लगाई
बेर ,अमरुद के बागों में, गजब रौनक है आई
गेहूं बालिया ऐसे खनके, जैसे बाजे पायल
कोयल ,मोर जो गाए गीत ,तो मन हो जाए घायल
रति -सी सुंदर तितली देखो, अमृत चखती हर फूल से
कमल सरोवर में तैर रहे, गुलाब खिले हर शूल पे
देख महेंद्र मुस्काया ,लिए कई भाव के रंग
कली लताएं यू मुस्काएं ,जैसे जीवन में भरती उमंग
निर्मल नीर गंग बहे ,धरती का सीना शीतल
सरोवर में उर्मिल उठे, जैसे लहराते फसलों का आंचल
मटर ,घिया, तोरी की बेले, मन में आस जगाए
अलसी के पौधों पर देखो, नीलम फूल मुस्काए
शेर सम -सा साहस पा, ईख रस भर जाए
जुगनू से दीपक जगमग ,जीवन रोशन कर जाए
बरगद ,पीपल करते छाया ,मेहंदी खुशबू बिखराए
सदाबहार के फूल खुशी में, फूले नहीं समाए
मिर्ची देखें तिरछी नजरों ,टमाटर शर्म से लाल हो जाए

झींगुर, मोर ,पपीहा गाएं, दिशाएं संगीतमय हो जाए
दिनभर गाते महकाते ,यौवन -सा उत्पात मचाते
अब नैनन में छाई निद्रा, धनिया, पालक अलसाते
धरती बनी हरा बिछौना, नीलम जड़ी नभ चादर लाए
निंदिया रानी लोरी गाए, सूरज घन आंचल छिप जाए

ऊपर लिखित पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

प्रश्न -1 एक तरफ गांव में प्राकृतिक सौंदर्य व स्वच्छ पर्यावरण है दूसरी तरफ शहर में सुख सुविधाएं हैं। इन दोनों में से आप कौन से वातावरण में रहना पसंद करेंगे और क्यों ?
प्रश्न -2 पर्यावरण को स्वच्छ व हरियाली पूर्ण बनाने के लिए आप अपना योगदान कैसे देंगे? लिखिए ।
प्रश्न -3 अमरूद, बेर के बागों को देखकर आपके बाल मन में उठने वाली शरारत के बारे में लिखें ।
प्रश्न -4 अमरूद का एक बाग हमारे घर से 12 किलोमीटर पूरब की तरफ तथा फिर 5 किलोमीटर उत्तर की तरफ है । मेरे घर तथा बाग के बीच की दूरी बताइए ?
(क)17 किलोमीटर (ख) 12 किलोमीटर
(ग) 13 किलोमीटर (घ) 5 किलोमीटर
प्रश्न -5 सभी प्राकृत संख्याएं ,पूर्ण संख्याएं तथा पूर्णांक,परिमेय संख्याएं होती हैं । तो बताओ परिमेय संख्याएं कितनी है ?
(क) 4 (ख) 100 (ग) 100000 (घ) अनगिनत

- **नीलम वत्स, रा. क.व. मा. विद्यालय भैंसवाल कला , गोहाना ,सोनीपत**

प्रतिमान-6 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

सूरज निकला गगन में, दूर हुआ अंधियारा,
पेड़ों ने ली अंगड़ाई, ठंडी–ठंडी हवा चलाई,
पक्षियों ने भी हवा में छलांग लगाई,
हरे–भरे बागानों में, रंग–बिरंगे फूल खिले,
फूलों ने अजब–सी महक फैलाई,
तितली, भंवरों को वह खींच लाई।
रसपान कर फूलों का, सब ने मौज उड़ाई,
देख प्रकृति की सुंदरता को, कोयल भी धीमे–धीमे गुनगुनाए।
रंग बदलती प्रकृति, हर पल मन को भाए,
नभमें कभी बादल तो, कभी नीला आसमां हो जाए,
रूप तेरा देख कर, हर कोई मन मोहित हो जाए,
झील नदियां मीठा जल पिलाए,
पर्वत हमें ऊंचाई को छूना सिखाएं,
प्रकृति हमें सब से प्रेम करना सिखाए।

प्रश्न 1 प्रकृति द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधन क्या कहलाते हैं?
(क) प्राकृतिक (ख)संश्लेषित (ग) अप्राकृतिक (घ) सभी

प्रश्न 2 प्रकृति हमें क्या सिखाती है?
(क)मुफ्त में कोई भी वस्तु नदेना
(ख)एक दूसरे से द्वेष करना
(ग)स्वार्थ भावना
(घ)सहयोग एवं समर्पण

प्रश्न 3 प्रकृति ने मुफ्त में हमें सौंदर्य से पूर्ण वातावरण दिया है। क्या हम इस वातावरण की सुरक्षा कर पा रहे हैं, यदि नहीं तो क्यों?

प्रश्न 4 एक बाग में 30 पेड़ लगे हुए हैं। इनमें 6 पेड़ पीपल, 12 पेड़ बरगद और बाकी पेड़ नीम के हैं। पीपल के पेड़ों का बाकी बचे पेड़ों से अनुपात ज्ञात कीजिए।
(क) 1:2 (ख) 3:2 (ग)4:9 (घ)5:8

प्रश्न 5 जरा सोचिए अगर धरती पर पेड़–पौधे ना हो तो क्या होगा ? इस संदर्भ में पड़ने वाले प्रभाव एवं अपने सुझाव भी दें।

–रजनी, बी0आर0पी0 (हिन्दी) सरस्वती नगर

प्रतिमान -7 ग्रामश्री पर आधारित पद्यांश

गांव की तुम बात ना पूछो, सुंदरता का आलम है,
खेतों की हरियाली है, खुशियों का हर आंगन है,
ताल–तलैया जिसके माली,
बरगद–पीपल करें रखवाली,
कृषक–श्रमिक की मेहनत देखो,
बातें करे हर पौधे की बाली,
बैलों के गले बजती घंटी,
चाल चलें बेहद मतवाली,
मोर–पपीहे ताल हैं छेड़ें,
घिर आएं जब घटाएं काली,
हर मौसम की शोभा निराली,
आया देखो सावन है।

प्रश्नः–1 प्रस्तुत कविता के लिए उपर्युक्त शीर्षक चुनें?

क) ग्राम–सौंदर्य ख) ताल–तलैया

ग) गांव का मौसम घ) कृषि और किसान

प्रश्नः–2 कविता में जब किसी निर्जीव वस्तु व जीव–जंतु को मनुष्य के समान दिखाया जाता है, उसे मानवीकरण अलंकार कहते हैं। उपर्युक्त कविता में मानवीकरण की पहचान करें।**(कोई दो उदहारण)**

प्रश्नः–3 कविता में गांव की सब अच्छी बातें बताई जा रही हैं। गांव की कुछ बुराइयों व समस्याओं को चिह्नित करें।

प्रश्नः–4 **आजकल** गांव में खेती के आधुनिक तरीकों में कौन–कौन से वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग किया जाता है?

प्रश्नः–5 हरिकिशन की एक एकड़ जमीन में 21 क्विंटल 32 किलो गेहूँ उत्पन्न हुई। मंडी में 1350 रूपये क्विंटल गेहूं का रेट होने पर हरिकिशन को गेहूँ बेचने पर कितने रूपये मिलेंगे?

– अरुण कुमार कैहरबा हिन्दी प्राध्यापक, रा.उ.वि. करेड़ा खुर्द, जगाधरी ,यमुनानगर,

प्रतिमान -8 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

गांव हमारे कितने सुन्दर रहने को मन करता है,
दूर-दूर तक देख शांति जीने को मन करता है।
मखमल जैसी है हरियाली, जिसकी देखो शान निराली,
पलक पाँवड़े बिछा रही है,सबको देखो बुला रही है,
सीधे -साधे लोग यहां पर ,सीधी इनकी जीवन शैली,
फागुन में देखो जो तुम तो रंग बिरंगे खेल यहाँ हैं,
सावन में देखो जो तुम तो इन्द्र देव का राज यहाँ है,
भाई -बहन का प्यार देखकर ,झूलों की बहार देखकर,
संस्कृति व श्रृंगार देखकर रहने को मन करता है,
गांव हमारे कितने सुन्दर रहने को मन करता है,
दूर -दूर तक देख शांति जीने को मन करता है।
कार्तिक के महीने में देखो दीपों का है पर्व यहाँ पर,
दशानन के हनन का देखो उत्साह और उल्लास यहाँ पर,
नैतिकता का पाठ यहाँ पर कदम -कदम पर मिलता है,
गांव हमारे कितने सुन्दर रहने को मन करता है,
दूर-दूर तक देख देख शांति जीने को मन करता है।

1 मखमल की कोई दो विशेषता लिखो
2 फाल्गुन में कौन सा त्यौहार आता है?
3 रावण को हर वर्ष क्यों मारा जाता है?
4 दीपावली पर मिटटी के दीये की कीमत 75 पैसा प्रति दीया थी। गांव के 2550 घरों में 70 दीये प्रति घर खरीदे गए तो बताओ कि कुम्हार की कितनी आमदनी हुई ?

5 2010 की होली पर मेरा भाई बारह साल दो महीने का था तो बताओ कि वह किस साल पैदा हुआ था ?

-नीरिन पाल सिंह प्रवक्ता ,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर,रेवाड़ी

प्रतिमान -9 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

कितनी सुंदर यह ग्राम्य छटा,
चहुँ दिशि अनुपम शोभा छाई।
अपनी धानी चूनर ओढ़े,
धरती लेती है अँगड़ाई।
नभ में मेघों की उमड़-घुमड़,
खेतों में फसलें लहरातीं।
क्यारियाँ सजीं फल-फूलों से,
कलियाँ डालों पर मुसकातीं।

सरसों की पीली हँसी देख,
अरहर बेचारी शरमाती।
बेलों पर सेमों की फलियाँ—
हैं झूल रही कुछ बल खाती।

बच्चे, बूढ़े सब घूम रहे,
अपने-अपने हैं बाट लगे।
हैं व्यस्त सभी क्रय-विक्रय में,
गाँवों में छोटे हाट लगे।

बहुमूल्य उपहार वसुंधरा देती,
जब जो गेहूं में बाली आती।
गाजर मूली फूली न समाती,
पेड़ों के पत्ते डाली मुस्काती।

पत्तों पर शबनम दिखाई देती,
चांदी जैसी उन पर चमकती।
हवा थिरकन से गायब करती,
चारों और सुगंध बिखराती।।

1.'गाजर मूली फूली न समाती' से आप क्या समझते हैं ?
2.पत्तों पर ओस कैसे जमा हो जाती है तथा सुबह लुप्त कैसे हो जाती हैं?

3.किसान के एक खेत में 25 मन सरसों होती है। मंडी में सरसों का भाव 4425 रुपए प्रति क्विंटल है। उस पर 2% मजदूरी काट ली जाती है तथा 600 रुपए घर से मंडी तक ले जाने का खर्चा है। किसान को कुल कितने रुपए प्राप्त हुए।

4.आपके एक खेत की लंबाई 40 करम व चौड़ाई 36 करम है। प्रत्येक 2 करम पर एक खंभा लगाना है। एक खंभे की कीमत 500 रुपए है तथा खेत के चारों तरफ चार कांटेदार तार लगाने है। एक तार का खर्चा 1260 रुपए है। सभी खंभों व चारों कांटेदार तारों की कीमत कितनी होगी?

5.खेत में फसल करने पर किस किस कार्य के लिए खर्चा करना पड़ता है ?

-गजराज सिंह, प्रवक्ता, रा० व० मा० विद्यालय झाल ,नाहड़, रेवाड़ी।

प्रतिमान -10 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

जहां नीम की डाली बैठी चिड़िया चहक चहक कर गाती।

कभी धूल में नहा नहा कर, बादलों का संदेश सुनाती।

बया घास के महल बनाती, मेरे गांव के खेत में।

खुशहाली के गीत लिखे हैं, मेरे गांव के खेत में।

काली, पीली, दोमट मिट्टी, फसले कई उगाती हैं।

बिन बोये ही घास के रूप में अपना प्यार लुटाती हैं।

सन सन हवा बहे मतवाली, मेरे गांव के खेत में।

खुशहाली के गीत लिखे हैं, मेरे गांव के खेत में।

प्रश्न 1:-सन- सन हवा बहे मतवाली पंक्ति में कौन – कौन से अलंकार है?

प्रश्न 2:-चिड़िया का धूल में नहाकर बादलों का संदेश सुनाने का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न 3:-कवि के गांव के खेत में खुशहाली के गीत कैसे लिखे जाते हैं?

प्रश्न 4:-कवि के गांव के खेत में अनेक फसलें उगाई जाती हैं। यदि उसके खेत में 750 किलोग्राम गेहूं व 680 किलोग्राम बाजरे की पैदावार हो तो गेहूं की पैदावार बाजरे की पैदावार से कितना प्रतिशत अधिक है?

प्रश्न 5 काली मिटटी किस प्रकार की फसल के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है ?

-डॉ. दलबीर सिंह , प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. बारोदा, जीद

प्रतिमान -11 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

सूखी शाखें सोच रही हैं,हम पर भी आती हरियाली।
गीत सदा खुशियों के गाना,खेतों की कहती हरियाली।
सिमटा जब से घर का आंगन,गमलों में पहुंची हरियाली।
काश किसानों पर भी आती, धन-दौलत रूपी हरियाली।
देखें !किस के घर जाती है,बन के दुल्हन निकली हरियाली।
मन के इस सूने आंगन में,दो पल ही ठहरी हरियाली।

उपरोक्त पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
प्रश्न 1.उपरोक्त पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में(20-30) स्पष्ट कीजिए ?
प्रश्न 2.आज के गांव में आपको क्या.क्या परिवर्तन नजर आते हैं ?
प्रश्न 3 .खेतों की हरियाली को देखकर किसान के मन में क्या भाव उत्पन्न होते हैं?
प्रश्न 4 . कवि ने हरियाली का मानवीकरण किन.किन रूपों में किया है ?
प्रश्न 5. 1000 किलोग्राम कितने मन के बराबर होता है ?
क. 100 ख. 50 ग 25 घ. 40

- **किरण बाला**, **प्रवक्ता हिंदी** ,**रा. क. व. मा. वि. डीघल**,**बेरी**, **झज्जर**

प्रतिमान -12 ('ग्राम श्री' पर आधारित पद्यांश)

अहा! ग्राम्य जीवन भी क्या है
क्यों न इसे सबका मनचाहे
थोड़े में निर्वाह यहाँ है
ऐसी सुविधा और कहाँ है?

छोटे - से मिट्टी के घर हैं
लिपे -पुते हैं, स्वच्छ - सुघर हैं
गोपद - चिह्नित आँगन तर हैं
रक्खे एक और जल - घट हैं।

खपरैलों पर बेलें छाई
फूलीं - फली हरी मनभाई
अतिथि कहीं जब आ जाता है
वह आतिथ्य यहाँ पाता है।

कविता आधारित प्रश्न-

1. 'निर्वाह' शब्द का अर्थ क्या है ?
2. यदि किसी मिट्टी के घर के एक कमरे की पुताई में 1 किलो गोबर, 5 किलो मिट्टी और एक बाल्टी पानी लगता है, तो 4 कमरों में लगने वाली कुल सामग्री कितनी होगी ?
3. गाँवों में कच्चे घरों को लीपने के लिए किस प्रकार की मिट्टी चाहिए होती है?
4. यदि आपके घर कोई अतिथि आ जाए, तो आप उसका स्वागत कैसे करेंगे। 40 से 60 शब्दों में बताए।
5. आपके विचारानुसार गाँवों में 'थोड़े में निर्वाह' कैसे हो जाता है?
40 से 50 शब्दों में बताए।

- इन्दुबाला , प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुरुग्राम

प्रतिमान -13 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

गाँव सादगी और प्राकृतिक शोभा के भंडार हैं। भारत की आधी से अधिक जनसंख्या गाँवों में ही निवास करती है । इसलिए भारत को गाँवों का देश कहा जाता है । गाँव में अधिकांश लोगों का व्यवसाय कृषि होता है, इसलिए गाँव के लोग हरियाली को देखकर झूम उठते हैं । यह हरियाली जीवन का आधार होती है । जब खेतों में गेँहू, ज्वार, बाजरा, कपास ,गन्ना, मूँग आदि की फसलें लहलहाती हैं तो किसानों के चेहरे खिल उठते हैं । किसी पेड़ , झाड़ी आदि पर लौकी, तोरई आदि की बेलें न केवल मन को मोह लेती हैं बल्कि इनकी स्वादिष्ट सब्जियाँ शहरों के बड़े-बड़े होटलों में भी उपलब्ध नहीं होती । नीम ,जामुन ,पीपल जैसे हरे भरे पेड़ व्यक्ति को नीरोग एवं दीर्घजीवी बनाते हैं , परंतु शहरीकरण ने इस सारी ग्रामीण शोभा को खत्म कर दिया है । संवेदना के स्तर पर भी शहर गाँव से काफी पीछे हैं । आज भी गाँव में लोग एक दूसरे के सुख- दुख में सम्मिलित होते हैं। अतः ग्रामीण जीवन अनेक शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के अभाव के बावजूद भी स्वर्ग की अनुभूति कराता है।

प्रश्न 1 लौकी, तोरई आदि बेल वाली सब्जियाँ होती हैं । इनके अतिरिक्त और कौन-कौन सी सब्जियाँ बेल वाली होती हैं ? किन्हीं 4 की सूची बनाएँ ।

प्रश्न 2. हरे भरे पेड़ व्यक्ति को नीरोग एवं दीर्घजीवी कैसे बनाते हैं ?

प्रश्न 3. शहरीकरण ने ग्रामीण शोभा को कैसे खत्म कर दिया है ?

प्रश्न 4. प्रकाश संश्लेषण क्रिया में पादपों के द्वारा वातावरण से कौन -सी गैस अवशोषित की जाती है ?

(क) ऑक्सीजन (ख) कार्बन डाइऑक्साइड (ग) हाइड्रोजन (घ) नाइट्रोजन

प्रश्न 5 . किसी गाँव की जनसंख्या का 1/3 भाग अनपढ़ है तथा अनपढ़ों की संख्या 1106 है तो शिक्षितों की संख्या क्या होगी ?

(क) 3318 (ख) 3002

(ग) 2212 (घ) 2210

-डॉ. महेंद्र सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी,बौन्दकलां

प्रतिमान -14 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

पिपलात्री गांव किसी परिचय का मोहताज नहीं है। पुत्री और प्रकृति दोनों इस गांव के लोगों का जीवट साहस और प्रतिष्ठा है। इसकी अपनी एक कहानी है जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमका दिया है। इस गांव की कहानी रोचक और प्रेरणा देने वाली है। मार्बल खदानों से घिरे इस गांव में कभी पानी, हरियाली का नामो–निशान मिट चुका था, आज पिपलात्री पंचायत अन्य पंचायतों के लिए आदर्श बन चुकी हैं। इस गांव की कामयाबी की कहानी शुरू होती है वर्ष 2005 से। उस साल पंचायती चुनाव में गांव के ही ऊर्जावान व्यक्ति श्याम सुंदर पालीवाल गांव के सरपंच चुने गए। उस समय पानी की समस्या से जूझ रहे । इस गांव में हर कदम पर समस्याएं मुंह फैलाए खड़ी थी। बेरोजगार नौजवानों का भटकाव हो रहा था। ऊँची–नीची पहाड़ी पर बसे इस गांव में सिंचाई के साधन नहीं होने से खेत बंजर हो रहे थे। बच्चों की शिक्षा का कोई माकूल इंतजाम नहीं था।

सरपंच ने सबसे पहले गांव में पानी की समस्या को दूर करने की ठानी और गांव के ही बेरोजगार नौजवानों को लेकर बरसाती पानी को इकट्ठा करने के लिए एक दर्जन स्थानों पर एनीकट तैयार करवाए। गांव के नंगे पहाड़ों पर गांव वालों की मदद से पौधारोपण का काम शुरू करवाया और शिक्षा में सुधार के लिए स्कूलों की इमारतों को दुरूस्त करवाया। महिलाओं का खास सहयोग मिला, जिन्होंने यहां बर्बादियों का आलम देखा। पूरा गांव जुटा तो देखते ही देखते तस्वीर बदलने लगी। बरसात का पानी एनिकटों में एकत्र होने लगा और कुछ वर्षों में जलस्तर ऊपर उठने लगा। ग्राम सरपंच ने खुद ही झाड़ू उठाकर सफाई करनी शुरू की। उनकी देखादेखी गांव के अन्य लोग भी साफ–सफाई से रहने लगे कि 2007 में तत्कालीन राष्ट्रपति ने पिपलांत्री को स्वच्छ ग्राम पंचायत के पुरस्कार से सम्मानित किया। पालीवाल ने एक गांव में योजना शुरू की। यहां लड़की के जन्म पर लड़की के परिजनों द्वारा 51 पौधे लगाए जाते है और वहीं परिवार उनकी देख–रेख करता है। जब तक लड़की की ब्याह–शादी की उम्र होगी, पौधे पेड़ बनकर तैयार हो जाएंगे। इन पेड़ों से होने वाली आय से लड़की की शादी की जाएगी। जब किसी घर में मृत्यु होती है तो उसकी स्मृति में भी पेड़ लगाने की परंपरा है। पेड़ों को बचाने के लिए यहां हर साल रक्षाबंधन के त्योहार पर महिलाएं पेड़ों को राखी बांधती है।

प्र0 1 **पेड़ों को राखी बांधना किसका बात का प्रतीक है ?**

प्र0 2 आप अपने गाँव की समस्याओ को दूर करने के लिए क्या योगदान दोगे?

प्र0 3 गाँव के जलस्तर को ऊपर उठाने के लिए आपके पास क्या योजना है?

प्र0 4 वर्ष 2020 में गाँव में 78 लडकियां पैदा हुई हो और हर के जन्मदिन पर 51 पौधे लगाये जाते हो तो कुल कितने पौधे लगाये जायेंगे?

प्र0 5 सरपंच द्वारा गाँव में चारों और दीवार का निर्माण करवाया गया यदि इस दीवार को 15 पुरुष 8 दिन में पूरा करते हो तो इसी दीवार को 12 पुरुष कितने दिन में पूरा करेंगे?

- **करनैल सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी,** ब्लाक सीवन, कैथल

प्रतिमान -15 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

ग्राम्यजीवन

धन्य है ग्राम्य जीवन प्रिय ,
धन्य वहां काजल - वायु।
खान पान है सीधा- सादा,
जिससे बढ़ती है आयु।

धरती मैया ने पहना है ,
गेहूं जौ का स्वर्णिम हार।
गांव की धरती पर देखो ,
प्रकृति मां का उमड़ा प्यार।

हरी- भरी हरियाली देखो ,
खेतों में लहराती है।
बैठ आम की डाली कोयल ,
मीठे राग सुनाती है।

धनिया और पालक भी
चहक रहे हैं बालक से।
गांव की धरती पर देखो
रूपनिरे जग -पालक के।

अमरूदों की डाली प्रियवर,
नार के फलों से लदी पडी।
और कहीं झर बेरी सुंदर,
रक्तिम रत्नों से दमक रही।

कहीं घसियारी लगी हुई है ,

घास काटने जोरों से।
कहीं धमक रही है धरती,
अहा ! नाचते मोरो से।

हलधर हलधर को देता है,
हरा- भरा ही खाने को।
प्रेरित करता है उसको वह,
स्वेद खूब बहाने को।

मनोहारी है दृश्य ये सारे ,
नयन समा नहीं पाते।
"समता ' गांव की महिमा को ,
खुद खुश हो हरि भी गाते।

1. भारत गांवों में बसता है या शहरों में? 2-3 पंक्तियों में उत्तर दीजिए
2. औद्योगिक विकास ने ग्रामीण लोगों की जीवनशैली पर क्या प्रभाव डाला है? कैसे कोई 2 तर्क दीजिए
3. आधुनिक युग विज्ञान का युग है। इस युग में किसान के जीवन में क्या बदलाव आया है?
4. राम खिला वनने दो बैल 1500 रूपये प्रति बैल की कीमत से खरीदे। उसने दोनों बैल कुछ समय बाद 35% लाभ लेकर बेच दिए। बताइए रामखेला वनने दोनों बैल कुल कितनी कीमत में बेचे।
5. जगतसिंह ने बेरो का एक बाग लगाया।बाग में इस वर्ष 45 किलोग्राम बेरों का उत्पादन हुआ।जगतसिंह ने उन्हें मंडी में ले जाकर 1500 रूपये में बेच दिया। बताइए जगतसिंह ने प्रति कि.ग्राम. बेर किस भाव से बेचे?

-समता यादव, टी0 जी0 टी0 हिन्दी, रा0 उ0 वि0 लाला, जाटूसाना, रेवाड़ी

प्रतिमान -16 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

हमारे गांव भारतीय जीवन और संस्कृति की जड़े हैं। जो हमारे राष्ट्र को जोड़े हुए हैं। गांव की मिट्टी की सोंधी महक में संस्कृति , मानवता और सहृदयता के फूल खिलते हैं। गांव की हरियाली और मनोरमता तन और मन के कलुष और आलस्य को हर लेती है। गांवों का खान -पान सरल ,किंतु स्वास्थ्यवर्धक होता है। शहर की प्रदूषित हवा की तुलना में गांव में चलने वाली शीतल मंद बयार थके हुए पस्त आगंतुकों को एक शीतल फुहार की तरह जान पड़ती है। गांवों के मार्मिक सद्भाव , समरसता तथा सरल व्यवहार गांव के लोगों की पहचान है तभी तो कहा जाता है कि भारत का स्वर्ग गांवों में बसता है। गांव का वातावरण अत्यंत सुखद,स्वच्छ एवं स्वास्थ्यप्रद होता है। यहां चारों ओर बाग बगीचों , खेतों में खड़ी हुई फसलों की शोभा ऐसी निराली होती है कि सभी का मन मोह लेती है। भारत के गांवों का जीवन सरल और सादगी पूर्ण है। यहां के निवासी 'सादा जीवन उच्च विचार ' में विश्वास करते हैं। ग्रामीण लोग छल ,कपट ,फरेब से दूर परोपकार , दयालुता और स्पष्टवादिता के भाव से भरे होते हैं। गांवों में भाईचारा , सद्भाव तथा एकता के दर्शन होते हैं।

गद्यांश को पढ़कर निबंध निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

प्रश्न1 .भारतीय गाँवों को भारत का स्वर्ग क्यों कहा जाता है?

प्रश्न 2 .कौन से सामाजिक मूल्य हमारे राष्ट्र को जोड़े हुए हैं?

प्रश्न3 .एक किसान 1 एकड़ को बोने के लिए 40 किलोग्राम गेहूं प्रयोग करता है यदि किसान के पास 30 एकड़ भूमि है जिसमें से 5 एकड़ जमीन में किसान का बाग हो तो किसान बिजाई के लिए कुल कितने गेहूं का प्रयोग करेगा?

प्रश्न 4.एक खेत में बाग लगाना है जिसकी लंबाई 240 मीटर तथा चौड़ाई 40 मीटर है। यदि 1-1 मीटर की दूरी पर पौधे लगाए जाएं तो बताओ कुल कितने पौधे लगाने पड़ेंगे?

संकेत- खेत के किनारों पर पौधे नहीं लगाने ।

प्रश्न5 .हमारे गांव भारतीय जीवन और संस्कृति की जड़े हैं, कैसे?

ओमप्रकाश, प्रवक्ता, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय , मिट्ठी सुरेरां, सिरसा

प्रतिमान -17 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

मेरे गांव जितना सुंदर दूसरा कोई गांव न होगा|
कोई नहीं है इसका मेल ऐसा भाव न होगा||
सुघड़ सलोने बच्चे सारे करते हैं अठखेलियां|
जहां सुनाते हैं ,अक्सर बुड्ढे कहानी और पहेलियां||
ताल तलैया बाग बगीचे, पोखर खेत खलिहान है|
कहीं सुनता मंत्र और घंटी कहीं अजान है||
शहद से मीठी बोली सबकी,कहीं ऐसा स्वभाव न होगा|
मेरे गांव जितना सुंदर दूसरा कोई गांव न होगा||
मिलना जुलना प्यार से रहना ही इसकी पहचान है|
दुर्गा पूजा, दंगल, मेला , रामलीला इसकी शान है||
स्कूल ,बैंक,बाजार है सब कुछ , विकसित गांव है मेरा|
सभी जातियां रहती हिलमिल ,ना तेरा ना मेरा||
गुंजन करते भंवरे तितली, बागों और फुलवारी में|
तरह तरह की फसल लगी है-,खेतों और क्यारी में||
हरियाली बिखरी है इतनी, जैसा सावन भी न होगा|
मेरे गांव जितना सुंदर कोई गांव न होगा ||
सुंदर फल के बाग बगीचे और फूलों का उपवन है|
महुआ , बेर, बेल, नीम सभी, अमरूद आम का कानन है||
देव तुल्य नर हैं यहां , लक्ष्मी स्वरूप सब नारी हैं|
पावन धरती के पावन जन, सम्मान के सब अधिकारी हैं||
गांव को दो आशीष हे भगवान , कभी बिखराव न होगा|
मेरे गांव जितना सुंदर दूसरा कोई गांव न होगा||

प्र०.1कवि ने गांव की शान किसे कहा है?

प्र०.2 कवि भगवान से क्या प्रार्थना करता है ?

प्र० .3ग्रामीण और शहरी जीवन में कोई दो अंतर स्पष्ट करें |

प्र.4 गांव में एक अमरूद के बाग की लंबाई मीटर है । 120 मीटर और चौड़ाई 140 बाग की बाड़ लगाने का खर्चा 14 रूपये प्रति मीटर है तो उस बाग के चारों और बाड़ लगाने का कितना खर्च आएगा ?

प्र.5 गांव में एक किसान ने एक गाय और एक भैंस क्रमशः 14000 रूपये और 43000 रूपये में खरीदी और उन्हें क्रमशः 16000रूपये में 47000 रूपये में बेच दिया तो उन दोनों को बेचने पर किसान को कुल कितना लाभ या हानि हुई?

- **सुभाष चंद्र, प्रवक्ता,राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुत्ताबगढ,सिरसा**

प्रतिमान -18 ('ग्राम श्री' पर आधारित)

आज भारत एक विकासशील देश है। तब भी आज शहरों के मुकाबले भारत में बहुत अधिक गाँव है। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय जनसंख्या गाँव में रहती हैं। गाँव का जीवन शांत ,हरियाली और प्रदूषण मुक्त होता है। गाँव के खेतों की सुंदरता और हरियाली देखने का मज़ा कुछ और ही होता है । हरियाली मानो हँसमुख सी, मनोरम सी है। सर्दी की धूप सुहानी है। वहाँ की कोमल शान्ति अपनी शोभा से जनमन को हर लेती है। गाँव में सभी बड़े निर्णय पंचायत ऑफिस के अधिकारी और सरपंच के माध्यम से पारित होते हैं। हमारा देश कृषि प्रधान देश है, और कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। हमारे देश में कृषि केवल खेती करना नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। कृषि पर पूरा देश आश्रित होता है। लोगों की भूख तो कृषि के माध्यम से ही मिटती है। यह हमारे देश की शासन-व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। कृषि से ही मानव सभ्यता का आरंभ हुआ। कृषि में फसल उत्पादन, फल और सब्जी की खेती के साथ - साथ फूलों की खेती, पशुधन उत्पादन, मत्स्यपालन, कृषि- वानिकी और वानिकी शामिल हैं। ये सभी उत्पादक गतिविधियाँ हैं। भारत में, कृषि आय राष्ट्रीय आय का 1987-88 में 30.3 प्रतिशत था जो कि पचहत्तर प्रतिशत से अधिक लोगों को रोजगार देती थी। 2007 तक यह आंकड़ा 52% तक पहुंच गया था।

प्रश्न 1.गांव के सभी बड़े निर्णय किसके माध्यम से पारित होते हैं?

प्रश्न 2. ग्राम पंचायत का गठन किस प्रकार होता है ?

प्रश्न 3 .एक ग्राम पंचायत में 1500 मतदाता है ,और चुनाव में 3 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा उम्मीदवार A को 300 वोट प्राप्त हुए व उम्मीदवार B को उम्मीदवार C से 160 वोटो से जीत गया तो बताओ B उम्मीदवार को C से कितने प्रतिशत अधिक वोट मिले ?

प्रश्न 4 .ग्राम पंचायत के चुनाव में एक उम्मीदवार को 60% वोट मिले और वह 4000 वोट से जीत गया तो बताओ उस ग्राम पंचायत में कुल मतदाता कितने हैं?

प्रश्न5 .वायुमण्डल में कौन- कौन सी गैसे विद्यमान हैं?

- **मंजू, बी.आर.पी हिन्दी, ब्लॉक ऐलनाबाद**

प्रतिमान -19 ('ग्राम श्री' पर आधारित स्वरचित कविता)

पीले -पीले फूल खिले
सरसों लहराती मतवाली है
गेहूं की सुनहरी बाली
सबको अपनी ओर बुलाती है
नीचे खड़ा अलसी और बथुआ
अपनी गर्दन उचकाता है
चौलाई झुकी जा रही
फल उस पर इतना लगा हुआ
घास लेने जाती घसियारी
मेहनत की मिसाल बनी
पगडंडी पतली है लेकिन
मंज़िल तक सबको पहुंचा रही
सूरज की धूप है तीखी
पेड़ की छांव शीतल बड़ी
कब हम शुरू करें लावणी
बातें सबकी जुबां पर यही
मेहनत का फल मीठा होगा
उम्मीद सबकी है यही

1. आप किन महीनों में गेहूं और सरसों की फसल को पका हुआ देखते हैं?

2. मेहनत का फल मीठा होगा खेतों में कौन मेहनत करता है व उनका फल मीठा कब होता है?
3. गेहूं व सरसों की कटाई के बाद खेतों में सामान्यतः कौन सी फसलें बोई जाती है?
4. रमेश एक खेत की फसल को 15 दिन में काट सकता है, प्रवीण उसी फसल को 12 दिन में काट सकता है, तो दोनों मिलकर खेत की फसल को कितने दिनों में काट लेंगे?
5. रवि ने 1500 रुपए प्रति क्विंवटल की दर से 1 क्विंटल (100 किलो) गेहूं खरीदें।पर उसने घर आकर तोला तो 10 किलो गेहूं कम निकले। तो बताओ रमेश को कितने रुपए का नुकसान हुआ ?

- **संगीता, प्रवक्ता , जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर,रेवाड़ी**

प्रतिमान -20 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया के आधार पर स्वरचित गद्य)

सोन चिरैया कहे जाने वाले भारत को बाहरी सत्ताधारियों ने न जाने कितनी बार नष्ट कर डाला। आज हम स्वतंत्र फिजाओं में सुख से सांस ले रहे हैं। यह सुंदर आनंदमय परिवेश प्रदान करने के लिए पूर्वजों ने असीम त्यागए बलिदान तथा शहादत से सींचा है। किंतु ऐसा प्रतीत होता है कि सब देश के बलिदान और बलिदानियों को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। स्वतंत्रता की लगभग पौनी शताब्दी के बाद आत्मनिर्भर नहीं बना बना ।कर्तव्य पलायनताए अराजकताए भ्रष्टाचारए शोषण आज भी सिर उठाए खड़े हैं ।राष्ट्र खंड खंड करके खंडता की ओर अग्रसर हैय यदि हम राष्ट्र की उन्नति देखना चाहते हैंए स्वयं उन्नत होना चाहते हैं तो सात्विक गुणों का अनुसरण करना होगा। सत्यता इमानदारी सेवा-भाव से मानवता की सेवा का प्रण लेना होगा। कर्तव्य परायणता के साथ राष्ट्र के विकास में बढ़-चढ़कर भाग लेना होगा। संजय कौशिक विज्ञान की यह पंक्तिया अक्षरशः है सत्य प्रतीत होती हैं।

अजेय शौर्य की कथा बखान वीरता भरी विराट देश शूर की परंपरा करें हरि विराग राग देख के प्रभाव ज्ञान के सुनो बहाव ढंग- ढंग के समान भाग को चुनो तभी देश का खोया हुआ सुख-चैन वापस आ सकता है अन्यथा जिस गर्त से हम निकले हैं उसी गर्त में विदेशी किसी भी समय आ कर हमें डाल सकते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1 भारतीयों ने अंग्रेजो के खिलाफ 20 युद्ध लड़े इनमें से भारतीयों ने 25% युद्ध जीत लिये जीत युद्धों की संख्या क्या होगी?

क. 5 युद्ध
ख 10 युद्ध
ग 15 युद्ध
घ 17 युद्ध

प्रश्न 2 आज राष्ट्र स्वतंत्र परिवेश में कैसे जी रहा है?

1 अनेक विसंगतियों के साथ

2 अनेक बुराइयों के साथ

3 अनेक विखंडित भावों के साथ

4 उपरोक्त सभी

प्रश्न 3 राष्ट्र को कैसे उन्नतशील बनाया जा सकता है ?

1 नई नई योजनाएं लाकर कर

2 बच्चों में शिक्षा का स्तर ऊंचा करके

3 राष्ट्र की बुराइयों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाकर

4 उपरोक्त सभी

प्रश्न 4 अजेय शौर्य की वीरता का विस्तृत वर्णन क्यों किया गया है?

1 स्वार्थ की भावना के लिए

2 राष्ट्रप्रेम की भावना के लिए

3 वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए

4 इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 5 पौनी शताब्दी से अभिप्राय: कितने वर्षो से है ?

-डॉ० अनीता भारद्वाज , प्रवक्ता, रा. उ. क. वि. सांजरवास बौंन्दकलां चरखी दादरी

प्रतिमान -21 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

सन् 2018 में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित 18 बच्चों ने भाग लिया। इनमें तीन बहादुर बच्चों को मरणोपरान्त यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इन बच्चों में शामिल नाजिया ने आगरा के मरोला इलाके में 40 साल से चल रहे अवैध जुए-सट्टे के अड्डो के खिलाफ आवाज उठाई। इस गैर कानूनी काम से इलाके के सभी निवासी और दुकानदार आतंकित थे। नाज़िया ने बिना किसी डर के आवाज उठाई। उसे कई बार अगवा करने की कोशिश भी की गयी तथा उसके माता पिता के साथ मार पीट भी की गयी। इन सब की परवाह न करते हुए उसने अपना संघर्ष जारी रखा। लगातार मिल रही धमकियों के बावजूद उसने उत्तर प्रदेश के मुख्यामन्त्री को पत्र लिख। अंतः बदमाशों के खिलाफ कारवाई हुई एंव उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई। 18 वर्षीय नाजिया को भारत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कर्नाटक की रहने वाली नेत्रावती एम चव्हाण ने तालाब में डूबते हुए दो बचाया। लेकिन 30 फुट गहरे इस तालाब में वह स्वयं डूब गई। निर्भीकता पूर्वक खतरे का सामना करते हुए बच्चों की जान बचाने वाली नेत्रावती को गीता चोपड़ा वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्र0 1 जुए या सट्टे के अड्डे होने से किसी स्थान के निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? संक्षिप्त उत्तर दे।

प्र0 2 किन्ही पांच सामाजिक समस्याओं के नाम लिखो।

प्र0 3 आप अपने आसपास की किसी सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए क्या कर सकते है। संक्षिप्त उत्तर दे।

प्र0 4 एक व्यक्ति जुए में प्रतिदिन 50 रूपए हार जाता है। वह वर्ष 2020 में कुल कितने रूप्ए गवां देगा?

प्र0 5 एक वृताकार तालाब का व्यास 210 मी0 है। उसकी त्रिज्या कितनी होगी?

(क) 55 मी0 (ख) 105 मी0 (ग) 210 मी0 (घ) 420 मी0

दीपक राविश, रा0उ0वि0 नन्द करण माजरा, (कैथल)

प्रतिमान -22 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

लौट रही थी खेत से वो घर की ओर 4 साल के भाई को कंधे पर **बैठाए** अपनी माँ के साथ अपनी ही दुनिया में। 5वी कक्षा की वह लड़की राखी रावत अपनी ही धुन में चली जा रही थी। राह चलते उन पर घात लगाये बैठे तेंदुए ने हमला कर दिया। पलक झपकते ही संभलने का मौका भी न दिया उस हिंसक जानवर ने। दोनों वहीँ गिर गये। तेंदुआ हावी हो रहा था। भाई चिल्ला रहा था। बहन दिला**सा** दिए जा रही थी। लहुलुहान राखी ढाल बन गयी उसने भाई को छुपा लिया अपने आगोश में। खुद तेंदुए के प्रहार सहती रही। मुसीबत में फंसी दोनों **नन्ही** जान। माँ भी चीखी, शोर मचाया**,** शोर को सुन तेंदुआ नौ दो ग्यारह हो गया। भाई को सलामत पाकर राहत की सांस ली फिर ले गई घायल भाई को खुद टूटी फूटी हुई। शरीर पर पंजो, दांतों के निशान, **हड्डी** में फ्रैक्चर। बड़े दुःख सहे राखी ने। चारों और वीरता के चर्चे हुए, मीडिया ने अदम्य साहस दिखाया। घोषणा हुई। गणतंत्र दिवस पर उसे केंद्र व उत्तराखंड सरकार द्वारा सम्मानित किया गया उस**की** वीरता के लिए।

प्र0 1 राखी अपने भाई की ढाल कैसे बन गयी ?

प्र0 2 आप अपने छोटे भाई या बहन की सुरक्षा किस प्रकार कर सकते हैं?

प्र0 3 भारत का पहला हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र किस राज्य में स्थापित किया जाएगा ?

प्र0 4 राखी तथा उसकी माता की आयु का योग 60 वर्ष है 8 वर्ष पूर्व माता की आयु राखी की आयु से 3 गुना थी। राखी की माता की वर्तमान आयु ज्ञात कीजिये ?

प्र0 5 यदि एक तेंदुए 60 किमी प्रति घण्टे की चाल से दौड़ सकता है और डरे हुए हिरन की चाल 80 किलोमीटर प्रति घंटा है तो वह हिरन को कितने समय में पकड़ लेगा?

- **करनैल सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी, ब्लाक सीवन, कैथल**

प्रतिमान -23 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

आंदोलन कोई भी हो, उसमें सफलता तब तक नहीं मिलती जब तक आंदोलन जन आंदोलन नहीं बन जाता। भारत देश को आजाद कराने में भी अनेक आंदोलन चलें जिनमें से कइयों ने जन आंदोलन का रुप ले लिया। इनमें जवानों के साथ वृद्ध बच्चे, महिलाएं, अमीर गरीब, सभी धर्मो, जातियों, सम्प्रदायों के बच्चों ने बढ़चढ़ कर योगदान दिया। बच्चों का योगदान और भी ज्यादा प्रशंसनीय है। स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों ने अपने माता–पिता से प्रेरित होकर ऐसे अनेक आंदोलन चलाएं तथा बड़े होकर अपनी जान तक का बलिदान कर दिया। भगत सिंह भी ऐसे ही वीर बालक थे जिनके जन्म के समय इनके पिता, चाचा जेल में गए हुए थे तथा बाल्यावस्था में ही खेत में बंदूक बोने जैसा साहस रखते थे ताकि अंग्रेजी हकुमत से देश को मुक्त करवा सकें। देश के इन वीर बालकों ने वीरता का परिचय देते हुए आंदोलनकारियों का अनेक प्रकार से सहयोग किया। जैसे –लोगों को एकत्र करना, चंदा इक्ट्ठा करना, प्रतिबंधित साहित्य का वितरण करना, पत्राचार करना,प्रचार करना, अंग्रेजी कानूनों, उत्पादों का विरोध करना। इन्होंने तो अपनी एक अलग सेना भी बना ली थी जिसको वानर सेना का नाम दिया गया था। ये वो कार्य कर जाते थे, जो कई बार क्रांतिकारी एवं स्वतन्त्रता सेनानी नहीं कर पाते थे। क्रांतिकारियों की गुप्त सूचनाओं को इधर से उधर ले जाते थे। पूरे आंदोलन में इस वानर सेना का अहम योगदान है। ये अंग्रेज सिपाहियों से भी लड़ते थे, उनके घोड़ों को बिदका देते थे। कई बार अंग्रेज सिपाहियों ने इनको प्रताड़ित भी किया, लेकिन बच्चों ने रोने की बजाए जयकारे लगाए। इन्हीं में से कुछ आगे चलकर स्वतन्त्रता सेनानी के रूप में जेल भी गए, फांसी पर झूले, गोलियां खाई परन्तु पीछे नहीं हटे। उनके बलिदान को इतिहास में भले ही जगह न मिली हो लेकिन आम जनमानस की आत्मा में वे सदैव जिंदा रहेगें और उनके किस्से कहानियां सुनी सुनाई जायेगी।

प्र. 1 उपर्युक्त लेख का मूल भाव क्या है ?

प्र. 2 भारत के वीर बालकों के नाम लिखों।

प्र. 3 स्वतन्त्रता आंदोलन में बच्चों द्वारा क्या क्या कार्य किये गए ?

प्र. 4 यदि 20 बच्चों की टोली प्रतिदिन 20 लोगों को प्रेरित करती हो तो वे 2 माह में कितने लोगों को प्रेरित करेंगे ?

प्र. 5 भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को हुआ तथा 23 मार्च 1931 को उनको फांसी दे दी गई। जब उनको फांसी दी गई उसदिन उनकी आयु कितनी (वर्ष,महिनें व दिन) थी ?

मामला राम पी.जी.टी. हिन्दी, रा.वरि.मा.वि. सोंगल कैथल

प्रतिमान -24 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित

एक ऐसी गुरु भक्त जिसने अपने प्राणों की आहुति देकर अपने गुरु के प्राणों की रक्षा की थी। जिसे आधुनिक युग के एकलव्य के नाम से भी संबोधित किया जाता है। उस वीर बाला का नाम है 'कालीबाई'। यह परतंत्र भारत के उस समय की घटना है, जब भारत पर पूर्ण रूप से अंग्रेजों की हुकूमत थी। डूंगरपुर में एक पाठशाला का निर्माण करवाया गया। डूंगरपुर के महारावल ने सोचा कि पाठशाला में शिक्षण कार्य होने से किसान और जनता शिक्षित हो जाएगी तो वह अपना अधिकार मांगेगी । महारावल ने पाठशाला बंद करने के आदेश दे दिए। यह घटना 19 जून 1947 की है। पाठशाला के अध्यापक सेंगा भाई थे। महारावल के आदेश पर पुलिस ने जबरदस्ती स्कूल पर ताला लगा दिया। विरोध करने पर पुलिस सेंगा भाई को ट्रक के पीछे रस्सी से बांधकर घसीटते हुए चली , तभी एक 12 वर्षीय बालिका ने अपने अदम्य साहस का परिचय दिया। कालीबाई अपने खेतों में घास काट रही थी। उसके हाथ में दरांती थी। उसने सेंगा भाई की दुर्दशा देखी, सेंगा भाई उसके गुरु थे। अपने अध्यापक की दुर्दशा देख वह दौड़ते दौड़ते गाड़ी के पास पहुंच-गई। पुलिस ने उसे रोकनाचाहा लेकिन उसने दरांती से रस्सी को काट दिया। काली बाई ने अपनी जान की परवाह नहीं की , पुलिस ने उस पर गोली चला दी। काली बाई ने सैंगा भाई को बचा लिया, उसने अपने गुरु को बचाकर गुरु शिष्य की दुनिया में एक नया इतिहास बनाया। गुरु शिष्य के अनूठे उदाहरण इतिहास में बहुत कम है। महाभारत युग में गुरु द्वारा एकलव्य से गुरु दक्षिणा में अंगूठा मांगने पर अंगूठा काट कर दे दिया था। परंतु आधुनिक युग की काली बाई ने जो किया, वह एक अनूठी मिसाल है।

गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

प्रश्न 1 अपने गुरु द्वारा गुरु .दक्षिणा में अंगूठा मांगने पर एकलव्य ने अपना अंगूठा काट कर क्यों दे दिया था?

प्रश्न 2 आधुनिक युग का एकलव्य किसे और क्यों संबोधित किया गया है .?

प्रश्न 3 .19 जून 1947 की घटना के समय कालीबाई 12 वर्ष की थी यदि आज कालीबाई जीवित होती तो उनकी उम्र कितनी होती?

प्रश्न 4 एकलव्य और कालीबाई के समय गुरु शिष्य परंपरा और आज के आधुनिक समय में गुरु शिष्य परंपरा में क्या अंतर आ गया है और कैसे?

प्रश्न 5 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले पांच स्वतंत्रता सेनानियों के . बारे में लिखो?

- **ओमप्रकाश, प्रवक्ता, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय , मिट्ठी सुरेरां, सिरसा**

प्रतिमान -25 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

चाचा ने जैसे ही कहानी सुनानी शुरु की , करण और मनोज भी दौड़कर पास आ गए । चाचा बोले ,यह कहानी जरा अलग है। यह कहानी बहादुर , निडर और समझदार लड़की की सच्ची कहानी है मनोज तुम्हें तो पता होगा कि हमारे देश पर अंग्रेजों का शासन था । क्या तुम मुझे किसी एक ऐसी नारी का नाम बता सकते हो जिसने अंग्रेजों से युद्ध किया था ?

मनोज ने झट से उत्तर दिया , हां-हां मैं जानता हूं , झांसी की रानी लक्ष्मीबाई । चाचा ने उसकी पीठ थपथपाई और कहा , पर आज मैं तुम्हें एक छोटी लड़की की कहानी सुनाऊंगा जो बिना बंदूक, तीर और गोला बारूद के अंग्रेजों से लड़ी थी।

1942 में देश में आजादी की लड़ाई छिड़ गई थी । असम के एक छोटे से गांव में 13 वर्ष की एक लड़की कनक बरुआ रहती थी। वह लगभग 500 लोगों के जुलूस के आगे हाथों में तिरंगा लिए चल रही थी । वे लोग वहां के गोहेपन थाने पर झंडा लगाने जा रहे थे । थाने पर पहुंचते ही दरोगा ने बंदूक दिखाते हुए धमकाया अगर आगे बढ़े तो गोली मार दूंगा । सब वहां रुक गए लेकिन आजादी की दीवानी वह साहसी लड़की आगे बढ़ती रही। गोली उसके पैर में लगी । किंतु बेहोश होने से पूर्व कनक बरुआ ने तिरंगे झंडे को थाने के फाटक पर लहरा दिया था । ऐसी साहसी और निडर बालिका थी वह । बच्चे उत्सुकतावश चाचा के और नजदीक खिसक आए ।

प्रश्न1 1942 . में आजादी के लिए चलाए गएआंदोलन को क्या नाम दिया गया था?

प्रश्न .2असम भारत के किस भाग में स्थित है ?

प्रश्न .3पीठ थपथपाना मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो?

प्रश्न .4तिरंगे झंडे की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात बताओ?

प्रश्न .5 आपके विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर 210 बच्चों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर भारत का मानचित्र बनाया गया प्रत्येक बच्चे ने एक तिरंगा पकड़ा हुआ है एक तिरंगा आपको बाजार एक रुपये में मिले तो बताओ तिरंगे झंडों पर कुल कितने रुपए खर्च हुए?

- सुभाष चंद्र, प्रवक्ता,राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुत्ताबगढ,सिरसा

प्रतिमान -26 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित स्वरचितगद्यांश)

जो दिला गई हमें आजादी लगाकर लगन,

उन वीरांगनाओं को हमारा शत्- शत्नमन।

हमारा देश लगभग एक सदी तक अंग्रेजों का गुलाम रहा। देश की आजादी के लिए पुरुषों के समान हमारे देश की वीरांगनाओं ने भी अपनी जान की बाजी लगा दी। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1947 में देश आजाद होने तक वीरांगनाएं अपना योगदान देती रही। आजादी के बाद नए भारत के निर्माण में भी इन्होंने अपना शत प्रतिशत योगदान दिया। इसलिए इन वीरांगनाओं के बलिदान और देश के निर्माण में इनकी भूमिका का वर्णन करना बहुत जरूरी है।

1 कस्तूरबा गांधी-आजादी की लड़ाई में इन्होंने हर कदम पर अपने पति का साथ दिया।

2 विजयलक्ष्मी पंडित- देश की आजादी की लड़ाई में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा गांधी जी के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण इन्हें जेल में बंदकर दिया गया था।

3 अरूणा आसफ अली-इन्होंने भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और जेल गई।

4 श्रीमती सरोजिनी नायडू -इन्होंने भी स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये एक अच्छी कवयित्री भी थी।

इसी प्रकार श्रीमती कमला नेहरू, भी खाई जी कामा बहन निवेदिता, सावित्री बाई फुले, दुर्गा बाई देशमुख, एनीबेसेंट, देवी मैना, ऊदा देवी, झलकारी बाई और रानी लक्ष्मीबाई आदि अनेक वीरांगनाओं ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनमें बहुत सी वीरांगनाओं ने हंसते-हंसते अपने प्राणों की भी कुर्बानी दे दी। रानी लक्ष्मीबाई की युद्धकला और शौर्य को देखकर अंग्रेज चकित रह गए थे। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि देश की आजादी की लड़ाई में हमारी वीरांगनाओं ने पुरुष देशभक्तों के कंधे से कंधा मिलाकर उनका साथ दिया। अतः इन वीरांगनाओं का बलिदान हमें सदैव याद रहेगा।

जो हो गई इस देश के लिए कुर्बान,
हम सदैव याद रखेंगे उन वीरांगनाओं का बलिदान।

प्रश्न 1 गद्यांश की प्रथम पंक्तियों में किन्हे नमन किया गया है?

प्रश्न 2 देश की आजादी की लड़ाई में हमारी वीरांगनाओं की क्या भूमिका रही? 30 से 35 शब्दों में वर्णन करो?

प्रश्न 3 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का 40 से 50 शब्दों में वर्णन करो?

प्रश्न 4 एक विद्यार्थी ने पुस्तक विक्रेता से वीरांगनाओं की कहानियों की 4 पुस्तकें खरीदी जिनका मूल्य क्रमशः 250, 320, 430, 350 रुपए था। दुकानदार द्वारा प्रत्येक पुस्तक पर 15% की छूट दी गई तो बताइए विद्यार्थी को कुल कितने रुपए की छूट मिली?

प्रश्न 5 एक व्यक्ति ने 4.5 लाख रुपए में 3 घोड़े खरीदे। दूसरे घोड़े की कीमत पहले घोड़े से 1.5 गुणा है और तीसरे घोड़े की कीमत पहले घोड़े से 2 गुणा है तो बताइए तीनों घोड़ों की अलग - अलग कीमत क्या होगी?

- **दलबीर सिंह, रा. उ. वि. गोपालपुर गाजी, जाटूसाना रेवाड़ी**

प्रतिमान -27 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित स्वरचितगद्यांश)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान कमतर न रहा है। रानी लक्ष्मीबाई ,सरोजिनी नायडू ,बेगम हजरत महल ,अजीजन बाई आदि वीरांगनाओं इतिहास पटा पड़ा है। इन्हीं में से एक वीरांगना थी इलाहाबाद में जन्मी दुर्गा देवी जिसे सभी क्रान्तिकारी दुर्गा भाभी कहते थे। बिन मां के साए में पली , केवल तीसरी कक्षा तक पढ़ी और बारह वर्ष की उम्र में विवाहित हो गई वो एक ऐसी निडर महिला थी ,जिन्होंने बंदूक उठाई और क्रांतिकारियों के साथ मिलकर अंग्रेजी साम्राज्य को उखाड़ फेंकने में बड़े -बड़े खतरे मोल लिए। लेकिन अंग्रेजों के आगे झुके नहीं। शहीद भगतसिंह और उनके साथियों को फांसी की सजा देने वाले गवर्नर हेली से बदला लेने के लिए दुर्गा भाभी ने गवर्नर पर 9 अक्टूबर 1930 ,को गोली चलाई। इस गोली से हेली तो बच गया लेकिन उसका एक सैन्य अधिकारी घायल हो गया। फलस्वरूप दुर्गा देवी को गिरफ्तार कर लिया और 3 साल की सजा सुनाई गई। दुर्गा भाभी ने पिस्तौल चलाने का प्रशिक्षण कानपुर से लिया। वे क्रांतिकारियों को हथियार के साथ-साथ उन्हें आश्रय भी प्रदान करती थी। जब शहीद भगतसिंह और सुखदेव ब्रिटिश पुलिस अफसर जान सांडर्स को गोली मारकर आए तो दुर्गा देवी के घर रुके। पुलिस से बचाने के लिए दुर्गा भाभी ने भगत सिंह का हुलिया बदलवाया और खुद को उनकी पत्नी बताकर उन्हें कोलकाता ले आई। 28 मई 1930 रावी नदी के तट पर दुर्गा भाभी के पति भगवती चरण वोहरा अपने साथियों के साथ जब बम बनाने के बाद परीक्षण कर रहे थे ,तो उनकी हादसे में मौत हो गई। लेकिन पति की मौत के बाद भी उनका देशभक्ति का जज़्बा कम नहीं हुआ। वो आजादी के संग्राम में तन -मन से जुटी रही। सन 1939में मद्रास में जाकर उन्होंने मारिया मांटेसरी से मांटेसरी पद्धति का प्रशिक्षण लिया। सन् 1940 में विद्यालय लखनऊ में एक मकान में सिर्फ पांच बच्चों के साथ विद्यालय खोला जो आज सिटी मांटेसरी इंटर कॉलेज के नाम से विख्यात है। दुर्गा देवी का एक मात्र

ध्येय देश को आजाद कराना था। उन्होंने अपने जीवन में निजी अभिलाषा को महत्व नहीं दिया। अंत में अपने जीवन का शेष हिस्सा भी नई पीढ़ी के निर्माण के लिए विद्यालय को समर्पित कर दिया। 15 अक्टूबर को इस महान वीरांगना और समाज सेवीका 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

प्रश्न1 भगतसिंह को फांसी निर्धारित समय से एक दिन पहले क्यों दी गई?
प्रश्न 2 .केन्द्रिय असेंबली में बम किसने और कहां फेंका?
प्रश्न3.जिस पिस्तौल से भगतसिंह ने लाला लाजपत राय की मौत का बदला लिया वह किस म्यूजियम में रखी हुई है?
प्रश्न 4 .जलियांवाला बाग हत्याकांड क्या है?
प्रश्न5 मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक कील काम करेगी "कथन किसका है?

- **सुनील कुमार प्रवक्ता,** रा०व०मा०वि०देहलावास गुलाबपुरा **जाटूसाना (रेवाड़ी)**

प्रतिमान -28 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

देश की आजादी की लड़ाई में पुरुषों के साथ - साथ अनेक वीरांगनाओं ने भी अपना घर बार सब कुछ छोड़ कर अपने प्राण तक दांव पर लगा दिए और अंतिम समय तक अंग्रेजों से बड़ी वीरता के साथ लोहा लेती रही। ऐसी ही एक महान हस्ती रानी गाइदिनल्यू थी। वह भारत की प्रसिद्ध महिला क्रांतिकारियों में से एक थी। जिनका जन्म 26 जनवरी 1915 को मणिपुर राज्य के पश्चिम जिले में हुआ। वह बचपन से ही बड़े स्वतंत्र और स्वाभिमानी स्वभाव की थीं।13 वर्ष की आयु में वह नागानेता जादोनाग के संपर्क मेंआई ।उस समय जादोनाग मणिपुर से अंग्रेज़ों को निकाल बाहर करने के प्रयत्न में लगे हुए थे। वे अपने आन्दोलन को क्रियात्मक रूप दे पाते, उससे पहले ही गिरफ्तार करके अंग्रेजों ने उन्हें 29 अगस्त, 1931 को फांसी पर लटका दिया।

अब स्वतंत्रता के लिए चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व बालिका गाइदिनल्यू के हाथों में आ गया। वह बहुत ही निडर थी । उसने गांधी जी के आन्दोलन के बारे में सुनकर सरकार को किसी प्रकार का कर न देने की घोषणा की। उसने नागाओं के कबीलों में एकता स्थापित करके अंग्रेज़ों के विरुद्ध संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए कदम उठाये।उसके तेजस्वी व्यक्तित्व और निर्भयता को देखकर जनजाती के लोग उसे सर्व शक्तिशाली देवी मानने लगे थे। नेता जादोनाग को फांसी देने से लोगों में असंतोष व्याप्त था, गाइदिनल्यू ने उसे सही दिशा की ओर की मोड़ा। सोलह वर्ष की इस बालिका के साथ केवल चार हज़ार सशस्त्र नागा सिपाही थे। इन्हीं को लेकर गाइदिनल्यू ने अंग्रेज़ों की सेना का सामना किया। वह छापामार युद्ध और शस्त्र संचालन में अत्यन्त निपुण थी। अंग्रेज उन्हें बड़ी खूंखार नेता मानते थे। दूसरी ओर जनता का हर वर्ग उसे अपना उद्धारक समझता था।

इस आन्दोलन को दबाने के लिए अंग्रेज़ों ने वहाँ के कई गांव जलाकर राख कर दिए लेकिन इससे लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। सशस्त्र नागाओं ने एक दिन खुलेआम 'असम राइफल्स' की सरकारी चौकी पर हमला कर दिया। स्थान बदलते, अंग्रेज़ों की सेना पर छापामार प्रहार करते हुए गाइदिनल्यू ने एक इतना बड़ा किला बनाने का निश्चय किया, जिसमें उसके चार हज़ार नागा साथी एक साथ रह सकें। इस पर काम चल ही रहा था कि 17 अप्रैल, 1932 को अंग्रेज़ों की सेना ने अचानकआक्रमण कर दिया। गाइदिनल्यू युद्ध मे गिरफ्तार कर ली गई। उन पर मुकदमा चला और कारावास की सजा हुई। उसने चौदह वर्ष अंग्रेज़ों की जेल में बिताए।

1947 में देश के स्वतंत्र होने पर ही वह जेल से बाहर आई। नागा कबीलों की आपसी स्पर्धा के कारण रानी को अपने सहयोगियों के साथ 1960 में भूमिगत हो जाना पडा। आज भी

उन्हे झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के समान ही वीरतापूर्ण कार्य करने के कारण 'नागालैण्ड की रानी लक्ष्मीबाई 'कहा जाता है।

1 नागा जनजाति कौन-कौन से राज्य में पाई जाती है?

2 छापामार युद्ध क्या होता था?

3 स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली कुछ वीरांगनाओं के नाम बताइए?

4 अंग्रेजों के साथ युद्ध में रानी के 6000 सैनिकों ने भाग लिया। जिनमें से 32%योद्धा घायल हो गए। 15 % मारे गए। रानी के कितने योद्धा सुरक्षित बच गए बताइए?

5 देश के सबसे पुराने पुलिस सैनिक बल का क्या नाम है?

- रोशनी देवी , बी0 आर0 पी0 हिन्दी, नाहड़ ब्लाक,रेवाड़ी

प्रतिमान -29 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

कुछ दिनों के बाद 19 दिसंबर 1928 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने असिस्टेंट पुलिस अधीक्षक जॉन सांडर्स की हत्या कर दी। जॉन वही ब्रिटिश पुलिस अधिकारी था जिसके लाठीचार्ज के क्रूर कदम की वजह से लाला लाजपत राय जी शहीद हो गए थे। इस घटना के बाद पुलिस से बचते हुए तीनों क्रांतिकारी सहायता के लिए दुर्गा भाभी के पास जा पहुंचे। पहचाने जाने से बचने के लिए भगत सिंह ने अपने बाल कटवा लिए थे और अंग्रेजी कपड़े पहन लिए थे। बिना अपनी परवाह किए दुर्गा देवी तुरंत इनकी सहायता के लिए तैयार हो गई। जो पैसे उनके पति उनके बुरे समय के लिए छोड़ गए थे वह भी उन्होंने इन क्रांतिकारियों को दे दिए। यहां तक कि समाज की परवाह किए बिना भगत सिंह की पत्नी का रूप धरकर वे उन्हें पुलिस की नाक के नीचे से निकाल लायी। उस समय सामाजिक नियम कानून ऐसे थे कि यदि कोई स्त्री और पुरुष शादीशुदा नहीं है तो उनका इस तरह का कोई नाटक करना भी सवालिया दृष्टि से देखा जाता था। उन्हें पता था कि यह संघर्ष राष्ट्रीय आंदोलन के लिए बेहद जरूरी है। अपने 3 साल के बेटे को साथ लेकर इस साहसी महिला ने राजगुरु और सुखदेव को परिवार का नौकर बता कर अंग्रेज सिपाहियों की नजरों से बचाया और यह तीनों लखनऊ के लिए ट्रेन में बैठ गए।

प्रश्न 1:-किस आंदोलन में भाग लेने पर लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज हुआ , जिसके कारण वे शहीद हो गए थे ?

प्रश्न 2:-लाठीचार्ज के उपरांत शहीद होने से पहले लाला लाजपत राय ने अंग्रेज सरकार के लिए क्या भविष्यवाणी की थी ?

प्रश्न 3:-परतन्त्र भारत में सामाजिक नियम व कानून कैसे थे ? संक्षेप में उत्तर दें?

प्रश्न 4:-दुर्गा भाभी ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान कैसे दिया?

प्रश्न 5:-पहचाने जाने से बचने के लिए भगत सिंह ने अंग्रेजी कपड़े खरीदे। यदि उसने 217 रुपए में पेंट, 98 रुपए में कमीज, 470 रुपए में कोट, 175 रुपए टाई, 145 रुपए में टोपी, 225 रुपए में जूते खरीदे और उसके पास 1500 रुपए थे तो उसके पास शेष कितने रुपए थे?

- डॉ. दलबीर सिंह, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. बारोदा, जींद

प्रतिमान -30 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

10 मई 1857को मेरठ में विद्रोही सैनिकों और पुलिस फोर्स ने अंग्रेजों के विरुद्ध सांझा मोर्चा गठित कर क्रांतिकारी घटनाओं को अंजाम दिया। एक सैनिक के विद्रोह की खबर फैलते ही मेरठ की शहरी जनता और आसपास के गांव विशेषकर पांचली घाट, नगला, गगोल इत्यादि के हजारों ग्रामीण मेरठ की सदर कोतवाली क्षेत्र में जमा हो गए। इसी कोतवाली में धन सिंह कोतवाल के पद पर कार्यरत थे। मेरठ की पुलिस बागी हो चुकी थी। धन सिंह कोतवाल क्रांतिकारी भीड़ (सैनिक, मेरठ के शहरी पुलिस और किसान) में एक नेता के रूप में उभरे।धन सिंह कोतवाल ने इस भीड़ के कार्य को सराहनीय बताते हुए हर मदद के लिए कहा। इतिहास के पन्नों में 10 मई 1857 का दिन अंग्रेजो के खिलाफ पहले स्वतंत्रता संग्राम के रूप में दर्ज है। इसी क्रांति में मेरठ में क्रांतिकारियों का नेतृत्व सदर कोतवाली के कोतवाल धन सिंह गुर्जर ने किया था। धन सिंह गुर्जर मेरठ के पांचली गांव के रहने वाले थे और इनके पिता पांचली गांव के प्रधान थे। धन सिंह कोतवाल ने साथियों के साथ मिलकर 10 मई को कैंट क्षेत्र में जेल पर हमला कर 839 कैदियों को छुड़ाया और अपने साथ मिला लिया। इसके बाद जेल में आग लगा दी। सदर बाजार और कैंट क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं की और वे दिल्ली पहुंच गए। ब्रिटिश शासन ने 4 जुलाई 1857 को पांचली गांव को घेर लिया। धन सिंह को फांसी दी गई। पूरे गांव को तोपो से उड़ा दिया गया। गांव में 40 लोगों को फांसी दी गई और करीब 400 लोग अंग्रेजों की गोलियों का शिकार हुए।

प्रश्न 1 धन सिंह मेरठ का योगदान किस क्रांति में है?

(क)1857 की क्रांति
(ख)रूस की क्रांति
(ग) फ्रांस की क्रांति
(घ)भारत छोड़ो आंदोलन

प्रश्न 2. 1857 की क्रांति में कई क्रांतिकारियों ने योगदान दिया। आप दो क्रांतिकारियों के योगदान का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 3. अपने देश पर बाहरी आक्रमण होने पर हम अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहते हैं। किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप बाढ़ आदि आने पर हमारा अपने देश के प्रति क्या कर्तव्य होना चाहिए?

प्रश्न 4. नीचे दिए गए **वर्षों** में से लीप का **वर्ष** छांटें।

क) 1857
ख) 1920
ग) 1998
घ) 2002

प्रश्न 5. नीचे कुछ क्रांतिकारियों के चित्र दिए गए हैं। आप उनके बारे में तीन–तीन लाइने लिखें।

रजनी, बी0आर0पी0 (हिन्दी) सरस्वती नगर

प्रतिमान -31 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

रानी द्रोपदी बाई धार क्षेत्र की क्रांति की सूत्रधार थी। 22 मई 1857 को धार के राजा का देहावसान हो गया। राजा की बड़ी रानी द्रौपदी बाई को ही राज्यभार संभालना पड़ा, क्योंकि आनंदराव बाला साहब नाबालिग थे। अन्य राजवंशों के विपरीत अंग्रेजों ने धार की नाबालिग राजा आनंदराव को मान्यता प्रदान कर दी। वह इसलिए की ब्रितानी चाहते थे कि क्रांति में धार **क्षेत्र** क्रांतिकारियों का साथ न दे। लेकिन रानी द्रौपदी के हृदय में तो क्रांति की ज्वाला धधक रही थी। रानी के कार्यभार संभालते ही समस्त धार क्षेत्र में क्रांति की लपटें फैल गई। रानी द्रोपदी ने रामचंद्र बापू जी को अपना दीवान नियुक्त किया। बापू जी ने सदा उनका समर्थन किया।

इन दोनों ने 1857 की क्रांति में ब्रितानियों का विरोध किया। और क्रांतिकारियों की हर संभव सहायता रानी ने की। रानी के भाई भीमराव भोंसले भी देश भक्त थे। ब्रिटिश सैनिकों ने 22 अक्टूबर 1857 को धार का किला घेर लिया। यह किला मैदान से 30 फुट ऊंचाई पर लाल पत्थर से बना था। किले के चारों ओर 14 गोल तथा 2 चौकोर बुर्ज बने हुए थे। क्रांतिकारियों ने उनका डटकर मुकाबला किया। लेकिन ब्रितानियो को आशा थी कि वे शीघ्र आत्मसमर्पण कर देंगे। पर ऐसा न हुआ। 24 से 30 अक्टूबर तक संघर्ष चलता रहा। किले की दीवार में दरार पड़ने के कारण ब्रितानी सैनिक किले में घुस गए। रानी द्रौपदी सहित क्रांतिकारी सैनिक गुप्त रास्ते से निकल भागे। कर्नल डुरेंडों तो पहले से ही रानी का विरोधी था। उसने किले को ध्वस्त करके धार राज्य को जब्त कर लिया और रामचंद्र बाबू को दीवान बना दिया गया।

कौशल एवम सृजनात्मक प्रश्न उत्तर ।

प्रश्न 1 उपरोक्त गदधांश में केन्द्रीय सूत्र क्या है ?

(क) अंग्रेजी शासन का (ख) आत्मसात का (ग) क्रांति का (घ) खिलाफत का ।

प्रश्न 2 'डटकर मुकाबला करना' मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ?

प्रश्न 3 रानी द्रोपदी के हृदय में क्रांति की ज्वाला क्यों धधक रही थी ?

प्रश्न 4 400 सैनिकों के लिए 31 दिनों के लिए भोजन की व्यवस्था है। 28 दिनों के बाद 280 सैनिक स्थान छोड़कर चले जाते है। कितने दिनों तक बचा हुआ भोजन शेष सैनिकों के काम आ सकेगा ?

(क)15 दिन (ख) 12 दिन (ग) 10 दिन (घ) 16 दिन ।

प्रश्न 5 यदि किले के एक चबूतरे की लम्बाई 14 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है तो चबूतरे का क्षेत्रफल ज्ञात करों?

(क)134 **वर्ग** मीटर (ख) 128 **वर्ग** मीटर (ग) 168 **वर्ग** मीटर (घ) 188 **वर्ग** मीटर ।

– रविन्द्र सिंह, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. ,कलावड़ , सरस्वती नगर ,यमुनानगर

प्रतिमान -32 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

राजापुर के लोग अपनी देशभक्ति और राजभक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं ।अपने देश के लिए हंसते-हंसते प्राण न्यौछावर कर देना यहां के लोग बड़े गौरव की बात समझते हैं । एक बार राजापुर और मिलकपुर में युद्ध हुआ । मिलकपुर जैसे बड़े राज्य को राजापुर के लोगों ने हरा दिया था । इस युद्ध में राजापुर के सैनिकों ने वीरता के अद्भुत कार्य किए । इस युद्ध में मिलकपुर के सैनिकों ने एक पहाड़ी पर आक्रमण किया । पहाड़ी पर राजापुर के थोड़े से सैनिक और एक तोप थी ।मिलकपुर के सैनिक उस पर अपना अधिकार चाहते थे । मिलकपुर के सैनिकों का आक्रमण बहुत भयंकर था । इसलिए राजापुर के सैनिकों को पीछे हटना पड़ा लेकिन वे तोप को नहीं हटा पाए ।पहाड़ी और तोप पर मिलकपुर के सैनिकों ने अधिकार कर लिया ।उस तोप को चलाने वाले तोपची को यह बात सहन नहीं हुई ।उसे इस बात का मलाल था कि उसी की तोप से उसी के लोगों को मारा जाएगा । तोपची अपनी तोप उनके हाथों में नहीं सौंपना चाहता था ।इसलिए उसने रात्रि में बिना किसी को बताए वह पेट के बल सरकता पहाड़ी पर पहुंच गया ।वह तोप के पास गया, तोप को हटाने या नष्ट करने का उसके पास कोई साधन नहीं था ।अंत में वह उस तोप की नली में घुस गया । रात्रि में वहां बहुत बर्फ पड़ी ,शीत के मारे उसकी एक-एक नस फटी जा रही थी । लेकिन फिर भी वह चुपचाप पडा रहा । सवेरा हुआ मिलकपुर के सैनिक आए और तोप की परीक्षा लेने का निर्णय किया । तोप में गोला बारूद भरा गया जैसे ही तोप छुट्टी उसकी नली में घुसे सैनिक के चिथड़े उड गए और तोप से रक्त बहने लगा ।जिसे देखकर मिलकपुर के सैनिक डर गए कि कहीं यह शत्रु की चाल तो नहीं और उन्होंने गोले से उसको भी उड़ा दिया । राजापुर का सैनिक तोप तो नहीं बचा पाया लेकिन उसने साबित कर दिया कि देशभक्त सजीव ही नहीं निर्जीव के लिए भी जान देना जानते हैं ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न -1 किसी निर्जीव वस्तु के लिए अपने प्राणों का बलिदान देना कहां तक उचित है, तर्क सहित लिखिए ।

प्रश्न -2 देशभक्ति सीमा पर देश सेवा के साथ-साथ देश की हर वस्तु के प्रति समर्पण भाव है ,क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? लिखिए ।

प्रश्न -3 अगर आपका प्रिय खिलौना जो कि पुराना हो चुका है घर की सफाई के दौरान मां उसे कबाड़ी को बेचना चाहती है, ऐसे में आप अपने खिलौने को बचाने के लिए क्या करेंगे?

प्रश्न-4 युद्ध में सैनिकों की तीन टुकड़ियों ने भाग लिया जिसमें क्रमशः 40 ,50 और 60 सैनिक थे ।इनमें से क्रमशः 10% , 20% तथा 10% सैनिक शहीद हो गए ।बताओ कुल कितने प्रतिशत सैनिक शहीद हुए ?

प्रश्न-5 एक समकोण त्रिभुजाकार के आकार की पहाड़ी की चोटी पर एक तोप रखी है ,पहाड़ी के आधार की लंबाई 9 किलोमीटर है और पहाड़ी का क्षेत्रफल 81 वर्ग किलोमीटर है तो बताइए तोप कितनी ऊंचाई पर रखी है ?

(क) 36 km (ख) 9 km (ग) 18 km (घ) 27 km

- **नीलम वत्स , प्रवक्ता, रा. क. व. मा. विद्यालय भैंसवाल कला , गोहाना ,सोनीपत**

प्रतिमान -33 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

राजमणि का जन्म 1927ई० में बर्मा में एक स्वतंत्र सेनानी परिवार में हुआ | वह देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत रहती थी | जब वह बर्मा की राजधानी रंगून में महात्मा गांधी से मिली तो उसके हाथ से बंदूक लेकर गांधी जी ने पूछा - उन्हें बंदूक की क्या जरूरत है ? उसने तपाक से जवाब दिया - "अंग्रेजों के खात्मे के लिए "| गांधीजी ने उसे समझाया कि हिंसा कभी किसी चीज का जवाब नहीं | राजमणि ने दृढ़ता से उत्तर दिया" - अंग्रेज हमारे देश के लुटेरे हैं, क्या हम उनको मार नहीं सकते ? राजमणि जब 16 वर्ष की थी, तब द्वितीय विश्व युद्ध अपने चरम पर था | सुभाष चंद्र बोस तब रंगून आए थे | उनके ओजस्वी भाषण से प्रभावित होकर राजमणि ने अपने हीरे जड़ित मूल्यवान आभूषण आंदोलन के लिए आई.एन.ए. को समर्पित कर दिए | नेताजी ने इस बात का पता चलने पर उनके पिताजी को आभूषण वापस कर दिए | तब राजमणि ने क्रोधित होकर कहा , "आभूषण मेरे पिता के नहीं है, वह मेरे हैं | मैं इन्हें वापिस नहीं लूंगी | तब दोस्त ने उनकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित होकर उनका नाम राजा मणि सरस्वती रखा | 16 साल की आयु में उनके द्वारा नेताजी को आर्मी में शामिल होने की प्रार्थना किए जाने पर आई.एन.ए. के खुफिया विभाग ने जासूस के रूप में ब्रिटिश मिलिट्री कैंप में अंग्रेज अफसरों के घर में संदेशवाहक के रूप में नियुक्त किया गया | वहां उसने नृत्यांगना के वेश में अपनी सहेली की जान बचाने के लिए अपने पैर पर गोली भी खाई | 3 दिन तक लहूलुहान सरस्वती और उसकी सहेली पेड़ पर बैठी रही | उन के इस साहसिक कदम से बोस बहुत खुश हुए | उन्होंने आई.एन.ए. की रानी झांसी ब्रिगेड का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया | उनके परिवार द्वारा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के निमित्त सब कुछ झोकने के बाद नेताजी के कहने पर भारत लौट आया | भारत आने पर उन्हें अभाव का जीवन जीना पड़ा | वृद्धावस्था में भी दर्जी की दुकानों से बचा हुआ कपड़ा लाकर उसे पहनने लायक बना कर अनाथालय, वृद्ध आश्रम में भेंट कर देती | 2006 की तबाही मचाने वाली सुनामी में उन्होंने स्वतंत्रता के तौर पर मिलने वाली पेंशन को भी सहायता कोष में दान कर दिया | सरस्वती राजमणि वास्तव में एक ऐसी नायिका रही, जिनकी बुद्धिमानी को

पहचान व प्रतिष्ठा दिलाने की जरूरत है | ऐसी स्वतंत्रता सेनानी को देश सलाम करता है |

प्र०1. आजाद हिंद फौज के संस्थापक कौन थे ?

क जवाहरलाल नेहरू ख रासबिहारी बोस

ग सुभाष चंद्र बोस घ राजा महेंद्र प्रताप

प्र०2. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्यों मनाया जाता है ?

प्र० .3राजा मणि के जीवन से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? अपने विचार लिखें |

प्र०4. स्वतंत्रता सेनानियों के साहसिक कार्यों को ध्यान में रखते हुए बताइए कि आप की उनके बारे में क्या सोच है ?

प्र०5. एक नगर में 65% स्वतंत्रता सेनानी दूरदर्शन के समाचार देखते हैं | 40% स्वतंत्रता सेनानी समाचार पत्र पढ़ते हैं | 25% स्वतंत्रता सेनानी ऐसे हैं जो समाचार पत्र भी पढ़ते हैं और दूरदर्शन के समाचार भी देखते हैं | तब ऐसे लोगों का प्रतिशत क्या होगा जो न तो दूरदर्शन पर समाचार देखते हैं न हीं समाचार पत्र पढ़ते हैं

क 5%

ख 10%

ग 15%

घ 20%

-प्रवीन कुमारी, प्रवक्ता, रा० व० मा० विद्यालय लाखनमाजरा, रोहतक

प्रतिमान -34 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

सन 1899 ई. पंजाब के सोनम गांव में एक बालक का जन्म हुआ। 8 वर्ष की आयु तक माता-पिता का देहांत हो गया। अनाथालय में जीवन बिताया। इनका बचपन का नाम शेर सिंह था। 1919 में दसवीं पास कर इन्होंने अनाथालय छोड़ दिया। 13 अप्रैल 1919 को करीब 20,000 लोग रौलट एक्ट के विरोध में जलियांवाला बाग में एक सभा कर रहे थे। वहां यह लोगों को पानी पिला रहे थे। उस समय पंजाब के गवर्नर रहे जनरल ओ डायर को सभा का पता चला। डायर सेना के साथ आए, बिना पूर्व सूचना के उन लोगों पर 20 मिनट तक अंधाधुंध गोलियां चलवा दी।

हजारों लोग मारे गए। भगदड़ में सैकड़ों लोग घायल हो गए। उस बाग में आने जाने के लिए केवल एक ही गेट था। चारों और ऊंची दीवारें थी। दरवाजे पर उसने तोप लगा दी थी, जो भी कोई निकलता उसको तोप से भून दिया जाता था। वहां एक कुआं था। लोग जान बचाने के लिए कुएं में कूद पड़े, लेकिन वहां भी लाशों का ढेर लग गया। सैकड़ों लोग घायल होकर कुएं में दबकर मर गए। इस कांड में यह नौजवान बच गया। 20 वर्ष की आयु में उन्होंने संकल्प लिया कि जिस तरह डायर ने मेरे देश के निर्दोष नागरिकों की हत्या करवाई है, उसको मैं जीवित नहीं छोड़ूंगा।

ये गदर पार्टी में शामिल हो गए। भगत सिंह के पद चिह्नों पर चलने लगे। आगे की पढ़ाई भी की व पैसे भी जोड़ें ताकि हथियार खरीद सके। इन्होंने दूसरे देशों की यात्रा भी की। यात्रा के दौरान अवैध हथियार रखने पर इनको 5 साल की जेल भी हुई। सन 1934 में लंदन में जाकर किराए के मकान में रहने लगे। छह गोलियों वाली एक रिवाल्वर खरीदी। आखिर 13 मार्च 1940 को वह समय आ गया। लंदन शहर के एक हाल में डायर के सम्मान में कार्यक्रम हो रहा था। वहां वे किताब में रिवाल्वर रखकर के पहुंच गए। हॉल में आसानी से वे डायर तक स्टेज पर पहुंच गए व तीन गोलियां उसकी छाती में ठोक दी और अपने आप को सरेंडर कर दिया। यह भाग भी सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। कोर्ट के पूछने पर उन्होंने कहा "मेरे फांसी चढ़ने से मेरी तरह हजारों उधम सिंह मेरे देश में जन्म लेंगे। आखिर 31 जुलाई 1940 को यूके की एक जेल में इनको फांसी दे दी गई। लेकिन यह नौजवान शहीद ए आजम उधम सिंह हमेशा हमारे दिल में जिंदा रहेंगे। देश सदा इनका कृतज्ञ रहेगा।

1 .उधम सिंह ने अनाथालय कब छोड़ा ?

2 .रौलट एक्ट में क्या कमियां थी जिसके कारण लोग इकट्ठा हुए

3 .ब्रिटिश काल में अंग्रेज भारत से कच्चा माल 100 रुपए के हिसाब से ले जाते थे। उसी कच्चे सामान से वस्तुएँ बना कर 500 रुपए के हिसाब से बेचते थे, तो वे कितना प्रतिशत लाभ कमाते थे?

4 .इंग्लैंड के एक बंदरगाह से मुंबई की दूरी 4500 नॉटिकल माइल है। एक समुद्री जहाज इंग्लैंड से मुंबई 18.75 नॉटिकल माइल प्रति घंटा की स्पीड से आता है। प्रत्येक 500 नॉटिकल माइल के बाद 24 घंटे के लिए तेल व अन्य सामान लेने के लिए रुकता है। वह जहाज कितने दिनों बाद मुंबई पहुंचेगा?

5 .भारत को आजाद कराने वाले 5 प्रसिद्ध वीर सपूतों के नाम बताओ

-गजराज सिंह, प्रवक्ता, रा० व० मा० विद्यालय झाल ,नाहड़, रेवाड़ी।

प्रतिमान -35 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

कैप्टन लक्ष्मी का जन्म 1914 में चेन्नई में हुआ। इनके पिता यहां के नामी वकील थे। मां भी आजादी की लड़ाई में भाग ले रही थी। 1932 में वे चेन्नई के मेडिकल कॉलेज में दाखिल हुई। इनके पिता स्वामीनाथन इन्हे अमेरिका भेजना चाहते थे किंतु वह स्वतंत्रता संग्राम में कूदना चाहती थी। इसलिए पिता की बात नहीं मानी। उनका विचार था कि आजादी पाने के लिए क्रांति करनी होगी। गांधीजी के अहिंसा आंदोलन से वे सहमत नहीं थी। 1940 मैं इनके पिता की मृत्यु हो गई। लक्ष्मी के कुछ रिश्तेदार सिंगापुर में थे। वहां जाकर लक्ष्मी ने अपना दवाखाना खोला। सिंगापुर में रबड़ के बगीचे बहुत थे। उन बागों में काम करने वाले अधिकतर तमिलनाडु के थे। भारतीय थे, उनकी बुरी हालत देखकर लक्ष्मी को बहुत दु:ख हुआ। उनके लिए उन्होंने मजदूर संघ की स्थापना की और आंदोलन शुरू किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत से भेष बदलकर जर्मनी पहुँचे वहां उन्होंने सेना को प्रशिक्षण देने के तरीकों को देखा। फिर वहां से जापान , बर्मा गए। वहां के भारतीयों को इकट्ठा किया और सिंगापुर में एक फौज तैयार की जिसका नाम आजाद हिंद फौज रखा जिसे इंडियन नेशनल आर्मी या आई .एन.ए. भी कहते थे। इस फौज में स्त्रियों की एक सेना बनानी थी। लक्ष्मी सामने आई। स्त्रियों को इकट्ठा करके तमिल में बोली- यह युद्ध भारत की स्वतंत्रता के लिए है। मातृभूमि की स्वतंत्रता की इस लड़ाई में आप भी शामिल हो जाओ। 5,000 स्त्रियों ने नाम दिया और उनमें से 100 महिलाओं को चुना गया। कैप्टन लक्ष्मी के नेतृत्व में उन्हें बुनियादी प्रशिक्षण दिया गया। फिर हथियार चलाने का कठिन प्रशिक्षण। 3 महीनों में एक महिला फौज तैयार हो गई और उसका नाम वीरांगना झांसी रानी नाम दिया गया। रानी झांसी सेना में धीरे -धीरे 1,000 महिलाएं शामिल हो गई , उनमें 200 स्त्रियां फौजी हस्पतालों में काम करती थी। दूसरी महिलाएं बंदूक चलाना , हथगोला फेंकना, हल्के मशीनगनों को उपयोग करना आदि सीखने लगी। घंटों भूख प्यास भुलाकर बिना नींद के मीलों चलने और लड़ाई करने की ताकत उनमें आ गई। 1944 में पहली बार फौज सिंगापुर से भारत आई। वे भारत की सीमा से इंफाल पर आक्रमण करना चाहते थे। इसके लिए मेमियो नाम के स्थान पर रुके।

तब मौसमी बारिश आ गई। भयंकर बरसात के चलते खाने-पीने, सोने किसी की भी सुविधा नहीं थी। निराश होकर उन्हें पीछे हटना पड़ा। झांसी रानी फौज को नेताजी ने सिंगापुर लौट जाने को कहा किंतु कैप्टन लक्ष्मी ने मना कर दिया। वे अंग्रेजों के हाथ लग गई , उन्हें रंगून में नजरबंद कर दिया गया। 1946 में फौजी मुकदमा चला, कई नामी वकीलों ने अपनी दलीलें पेश की , उनमें जवाहरलाल नेहरू भी थे। लक्ष्मी को बरी कर दिया गया। बाद में वे कांग्रेस के सेवादल को प्रशिक्षण। देती रही।

प्रश्न 1 आजाद हिंद फौज की महिला यूनिट का नाम क्या था?
प्रश्न 2 सिंगापुर के रबर के बगीचो में काम करने वाले अधिकतर कहां के रहने वाले थे?
प्रश्न 3 आजाद हिंद फौज की स्थापना कहां पर हुई?
प्रश्न 4 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
प्रश्न 5 एक चुनाव में एक उम्मीदवार को 84% मत प्राप्त हुए , वह 476 मतों के बहुमत से निर्वाचित होता है। डाले गए कुल मतों की संख्या कितनी है?
क-1900 ख-1810 ग-1600 घ-1400

- **सत्यबीर** सिह **राणा, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. जाखोली,राई, सोनीपत**

प्रतिमान -36 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

आजादी की लड़ाई में अनेक लोगों ने अपना योगदान दिया। महिला–पुरूष, बच्चे–बुजुर्ग सभी के मन में एक ही भावना थी कि देश की आजादी के बिना हम सम्मान का जीवन नहीं जी सकते। देश की सेवा करने का यही एक तरीका था, अपने–अपने स्तर पर कार्य किया जाए। करतार सिंह सराभा ने कहा है–सेवा देश दी जिंदडिए बड़ी औखी (मुश्किल), गल्लां करणियां ढ़ेर सुखल्लियां (आसन) ने। जिन्ना (जिन्होंने) देश सेवा विच पैर पाया, औनां (उन्होंने) लख मुसीबत झल्लियां ने। सराभा ने खुद बहुत कम उम्र में देश की आजादी के लिए प्राणों का बलिदान दिया। भगत सिंह ने अपने समय की अने**क** समस्याओं को लेकर अखबारों में लिखा। अपने साथी राजगुरू व सुखदेव के साथ इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए वे हंसते–हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। चन्द्रशेखर आजाद, **ऊ**धम सिंह, अशफाक उल्ला खान, सुभाष चन्द्र बोस सहित कितने ही वीरों ने आजादी के लिए अथक संघर्ष किए और शहादतें दी।

प्रश्नः–1 प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक का चयन करें।

क) करतार सिंह सराभा

ख) **भगत** की लड़ाई

ग) इनमें से कोई नही

घ) देश की सेवा

प्रश्नः–2 सुभाश चंद्र बोस द्वारा कौन सा नारा दिया गया ?

क. भारत माता की जय।

ख. तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।

ग. इंकलाब जिंदाबादं।

घ. आजादी हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है।

प्रश्नः–3 बच्चों व महिलाओं ने देश की आजादी के लिए क्या किया था?

प्रश्नः–4 भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को हुआ और 23 मार्च, 1931 को वे देश के लिए शहीद हो गए। बताओ कितने वर्ष, कितने महीने और कितने दिन का उनका जीवन रहा?

प्रश्नः–5 उधम सिंह का जन्म 26 दिसंबर, 1889 को हुआ और 31 जुलाई 1940 को उन्हें फांसी दे दी गई। भगत सिंह के जीवन काल से उनके जीवन में कितना अंतर था?

.अरुण कुमार कैहरबा प्रवक्ता, रा.उ.वि. करेड़ा खुर्द, ,जगाधरी ,यमुनानगर,

प्रतिमान -37 (नाना साहब की बेटी मैना को भस्म कर दिया आधारित)

भारतीय इतिहास में अनेक वीरबालाएं रही हैं जिन्होंने कठिन समय में साहस, धैर्य और वीरता का परिचय दिया। महाराणा प्रताप की बेटी चंपा थी। महाराणा प्रताप वन-वन भटक रहे थे। उनके साथ उनके बच्चे भी थे। जंगल में भोजन की व्यवस्था न होने के कारण राणा के साथ बच्चों को भी उपवास करना पड़ता था। महाराणा की बेटी चंपा 11 वर्ष की बालिका थी। वह जंगल में निरंतर भूख से लड़ती रही और कभी अपनी पीड़ा को पिता पर प्रकट नहीं होने दिया। अपने हिस्से की घास की रोटी भी वह अपने छोटे भाई को खिला देती थी। निरंतर भूखी रहने के कारण वह दुर्बल और कृशकाय हो चली थी। महाराणा से जब बच्चों का कष्ट ने देखा गया तो उन्होंने अकबर की अधीनता स्वीकार करने के लिए पत्र लिखा। जब यह बात चंपा को पता चली तो उसने मूर्छा से जागते हुए अपने पिता से कहा "आप यह क्या कहते हैं? हमें मरने से बचाने के लिए आप अकबर के दास बनेंगे। पिताजी हम सब क्या कभी मरेंगे नहीं । पिताजी देश को नीचा मत दिखाइए। आपको मेरी शपथ है। आप अकबर की अधीनता कभी स्वीकार न करें।" इन वचनों के साथ ही मासूम चंपा महाराणा के गोद में सदा के लिए चुप हो गई। चंपा और मैना जैसी बालिकाएं मरा नहीं करती हैं। दोनों का नाम आज भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा है। इन बालिकाओं को न अकबर झुका पाया न अंग्रेजी सत्ता ।

1. चंपा और मैना जैसा साहसिक कार्य मलाला ने भी किया है। मलाला के कार्य को आप किस रूप में देखते हैं?
2. साहस और दुस्साहस में क्या अंतर है?
3. भारतीय इतिहास की किन्ही दो वीरांगनाओं का कार्य स्पष्ट कीजिए जिनका संबंध 1857 की क्रांति से रहा है।
4. हल्दीघाटी का युद्ध 1506 में हुआ था। हल्दीघाटी के युद्ध और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में कितने समय का अंतर है?

5. महाराणा प्रताप और नाना साहब के ऐतिहासिक महत्व में क्या साम्यता है?

-वीरेंद्र कुमार, प्रवक्ता, रा. आ. व.मा. वि. शीशाय, हिसार

प्रतिमान -38 (नर्सरी आधारित)

प्रश्न1. नर्सरियाँ अधिकतर शहरों में ही खोली जाती हैं , क्यों ?

प्रश्न 2. पर्यावरण की दृष्टि से पौधों के लिए कौन-सी खाद उपयोगी नहीं है ?

(क) गोबर खाद (ख) कम्पोस्ट खाद

(ग) हरी खाद (घ) रासायनिक खाद

प्रश्न 3. हरियाली नर्सरी ने माली को घर भेजने की सुविधा उपलब्ध क्यों करवाई है ?

प्रश्न 4. इनमें से कौन-सा शब्द फूल का समानार्थी नहीं है ?

(क) सुमन (ख) परिमल (ग) प्रसून (घ) पुष्प

प्रश्न 5. हरियाली नर्सरी में एक फूलदार पौधे की कीमत 50 रु., फलदार पौधे की कीमत 80 रु. तथा सजावटी पौधे की कीमत 150 रु. है। दिनेश ने अपने नए घर के लिए 25 फलदार ,30 फूलदार तथा 22 सजावटी पौधे खरीदे। बताइए उसने कितने रुपयों के पौधे खरीदे ?

- डॉ. महेंद्र सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी,बौन्दकलां

प्रतिमान -39 (सुकन्या समृद्धि योजना आधारित)

प्रश्न 1. सुकन्या समृद्धि खाता कहाँ पर खुलवाया जा सकता है ?

(क) बैंक में (ख) डाकघर में

(ग) उपर्युक्त दोनों में (घ) बाल विकास विभाग में

प्रश्न 2. वित्त वर्ष 2016 -17 में प्रशांत ने सुकन्या समृद्धि खाते में 20000 रुपये जमा करवाए। बताइए उसे श बाद एक ब्याज के रूप में कितने रुपये मिलेंगे ?

प्रश्न 3 . सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाने के लिए किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी ? अनुमान लगाइए

प्रश्न 4. 'उम्र की पात्रता' से क्या आशय है ?

प्रश्न 5. यह योजना सरकार ने क्यों लागू की है ?

- **ललिता पहल, प्रवक्ता, रा. व.मा. वि. साँवड़ , बौन्दकलां**

प्रतिमान - 40

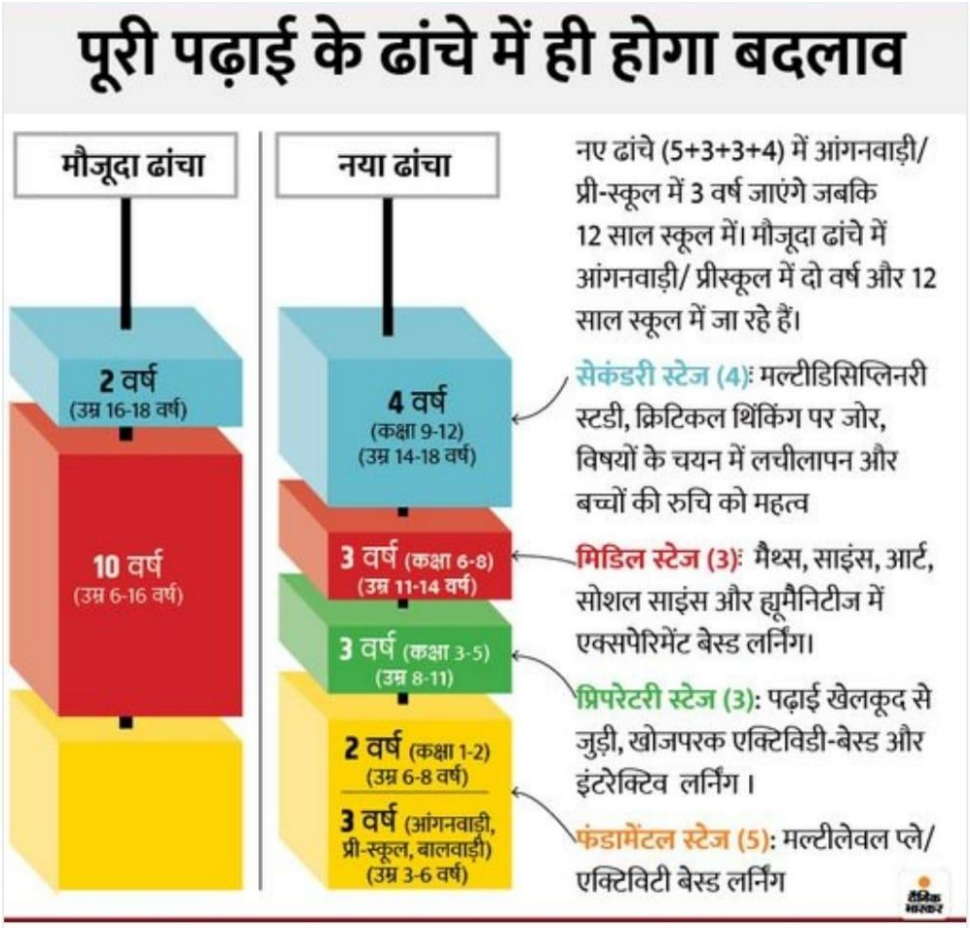

प्रश्न 1 : मौजूदा ढांचे एवं नवीन ढांचे में क्या अंतर है? कोई दो अंतर स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 2 : सामाजिक विज्ञान विषय में हम क्या सीखते हैं ? कोई दो लाभ बताइए

प्रश्न 3 : वर्तमान समय में मेरी बेटी की आयु मेरी आयु से 20 वर्ष कम है ।यदि मेरी बेटी की आयु 10 वर्ष हो तो कितने वर्षों बाद मेरी आयु मेरी बेटी की आयु से दोगुनी हो जाएगी?

प्रश्न 4 : निम्नलिखित में से क्या नये ढांचे में नया है?

(क) आंगनवाड़ी (ख) प्रयोगशालाएँ (ख) क्रिटिकल थिंकिग (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 5 : आंगनवाड़ी स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

-वीरेंद्र कुमार, प्रवक्ता, रा. आ. व.मा. वि. शीशाय, हिसार

प्रतिमान -41 (भाषा आधारित)

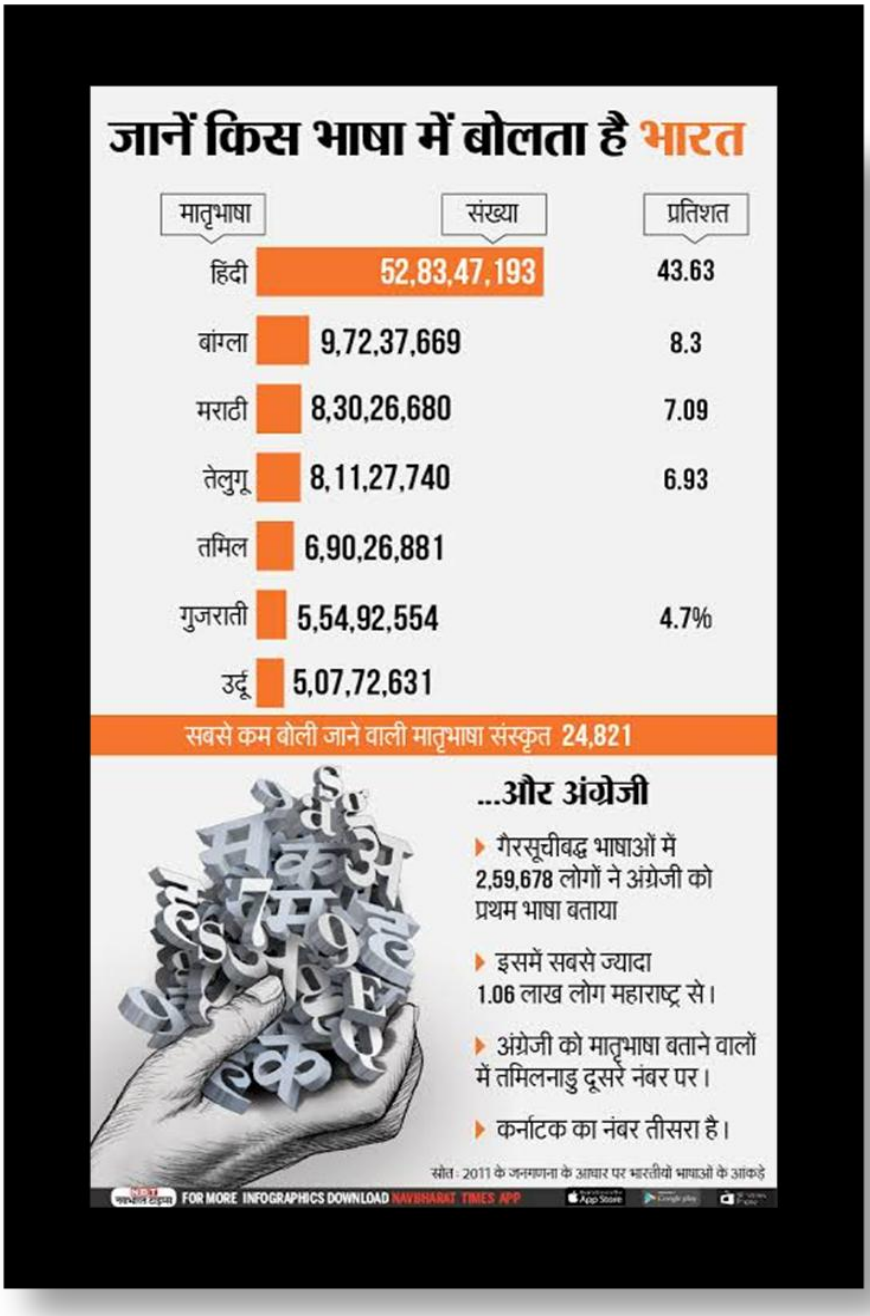

1. इनमें से कौन सा कथन असत्य है ?

    क. भारत की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा मराठी है।

    ख. गैर सूचीबद्ध भाषाओं में अंग्रेज़ी को प्रथम भाषा बताने वाले सबसे ज्यादा लोग कर्नाटक के हैं।

ग. उर्दू भाषा बोलने वालों की संख्या गुजराती भाषा से कम है।

घ. हिन्दी भारत में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है।

2. गुजराती भाषा की तुलना में बांग्ला भाषा बोलने वालों का प्रतिशत कितना अधिक है ?

3. इनमें से किस राज्य का मिलान वहाँ मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा के साथ सही किया गया है ?

क. आंध्र प्रदेश - तमिल

ख. केरला - तेलगू

ग. महाराष्ट्र - मराठी

घ. कर्नाटक - मलयालम

4. हिन्दी दिवस कब मनाया जाता है ?

5. इनमें से कौन सा राज्य समूह मुख्य रूप से हिन्दी भाषी क्षेत्र है ?

क. उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार

ख. उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात

ग. बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश

घ. बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार

चेतना जाठोल, बी0 आर0 पी0 हिन्दी, मातनहेल, झज्जर

प्रतिमान -42

प्रश्न 1 एग्रीमेंट क्या होता है ? क्या आपने कभी अपने साथियों से किसी बात के लिए मौखिक या लिखित एग्रीमेंट किया । उदाहरण दें।

प्रश्न 2 हमारे घर में जलने वाले बिजली के उपकरण सामान्य कितने वाल्ट पर चलते हैं?

(क (220 (ख (180 (ग (260 (घ(300

प्रश्न 3 आपके घर में उपयोग होने वाले किन्हीं पांच विद्युत् उपकरणों के नाम लिखें?

प्रश्न 4 अपने घर पर प्रयोग किए जाने वाले एलईडी बल्ब की कोई एक विशेषता बताइए

प्रश्न 5 रोहित वेलवेट पेंसिल की मशीन लगाकर अपना काम शुरू करता है और पहले महीने 20000 रुपए, दूसरे महीने 18000, तीसरे महीने 28000 इसी प्रकार चौथे, पांचवें, छठे, सातवें ,आठवें ,नौवें, 10वे,11वे और 12वे महीने क्रमश 25000, 35000, 36000, 30,000, 26000, 22,000, 21000, 24000,27000 रुपए कमाता है ,उसकी औसतआय क्या होगी।

-डॉ. हरीश कुमार**, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** बिरही कला

उत्तरमाला:

प्रतिमान -1

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 150 डिग्री

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -2

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 अत्यधिक उर्वरको के प्रयोग से

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -360

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4- 55

उत्तर-5- 308 वर्ग मीटर

प्रतिमान -4

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 7.28%

उत्तर-5 9.009 (टीना)

प्रतिमान -5

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -13 KM

उत्तर-5 अनगिनत

प्रतिमान -6

उत्तर-1 प्राकृतिक

उत्तर-2 सहयोग एवं समर्पण

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 1:2

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -7

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -28782 रूपए

प्रतिमान -8

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 133875 रूपए
उत्तर-5 1998
प्रतिमान - 9
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 42765 रूपए
उत्तर-4 195320 रूपए
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 10
उत्तर-1 अनुप्रास/पुनरुक्ति/मानवीकरण
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 10.29 %
उत्तर-5 कपास
प्रतिमान - 11
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 25 मन
प्रतिमान - 12
उत्तर-1 गुजारा
उत्तर-2 - 4/20/16
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 13

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 कार्बनडाइऑक्साइड
उत्तर-5 3318
प्रतिमान - 14
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 3978
उत्तर-5 10 दिन
प्रतिमान - 15
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 2025 रु
उत्तर-5 33.33 रु
प्रतिमान - 16
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 1000 कि.ग्राम
उत्तर-4 9600
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान -17
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 4040
उत्तर-5 10.52 % लाभ

प्रतिमान -18
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 36.36 %
उत्तर-4 40000
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान -19
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 60/9 दिन
उत्तर-5 150 रूपए
प्रतिमान -20
उत्तर-1 5 युद्ध
उत्तर-2 उपरोक्त सभी
उत्तर-3 उपरोक्त सभी
उत्तर-4 वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए
उत्तर-5 75 वर्ष
प्रतिमान - 21
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 18300
उत्तर-5 105
प्रतिमान - 22
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 उतराखंड
उत्तर-4 41 वर्ष

उत्तर-5 असम्भव (हिरन की गति तेंदुए से अधिक है)

प्रतिमान - 23

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -1200 व्यक्ति

उत्तर-5 22 साल 5 महीने 25 दिन

प्रतिमान - 24

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 -73 वर्ष

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान - 25

उत्तर-1 भारत छोडो

उत्तर-2 उत्तर-पूर्वी

उत्तर-3 शाबाशी देना

उत्तर-4 3:2

उत्तर-5 1260 रूपए

प्रतिमान - 26

उत्तर-1 वीरांगनाओं को

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 202.50 रूपए

उत्तर-5 - 1 लाख /1.5 लाख/2 लाख

प्रतिमान - 27

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 28
उत्तर-1 =नागालेंड
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 3180
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 29
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 170 रूपए
प्रतिमान - 30
उत्तर-1 1857 की क्रांति
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 1920
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 31
उत्तर-1 क्रांति
उत्तर-2 सामना करना
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 10 दिन
उत्तर-5 168 वर्ग मीटर
प्रतिमान - 32
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 13.33%
उत्तर-5 18 km
प्रतिमान - 33
उत्तर-1 सुभाष चन्द्र बोस
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 -20 %
प्रतिमान - 34
उत्तर-1 1919 में
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 400%
उत्तर-4 19 दिन
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 35
उत्तर-1 वीरांगना झांसी रानी
उत्तर-2 तमिलनाडू के
उत्तर-3 सिंगापुर
उत्तर-4 सुभाष चन्द्र बोस
उत्तर-5 1400 वोट

प्रतिमान - 36
उत्तर-1 करतार सिंह सराभा
उत्तर-2 तुम मुझे खूनदो, मैंतुम्हेंआजादीदूँगा।
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 22 साल 5 महीने 25 दिन
उत्तर-5 50 साल 7 महीने 5 दिन अंतर -28 वर्ष 1 महीना 5 दिन
प्रतिमान - 37

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 351 वर्ष
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 38
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 रासायनिक खाद
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 परिमल
उत्तर-5 6800 रूपए
प्रतिमान - 39
उत्तर-1 उपर्युक्त दोनों में
उत्तर-2 1840 रुपए
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान -40
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-3 10 वर्ष
उत्तर-4 उपर्युक्त सभी
उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
प्रतिमान - 42
उत्तर . 1 गैर सूचीबद्ध भाषाओं में अंग्रेज़ी को प्रथम भाषा बताने वाले सबसे ज्यादा लोग कर्नाटक के हैं।
उत्तर-2 3.6%
उत्तर-3 महाराष्ट्र -मराठी
उत्तर-4 14 सितम्बर

उत्तर-5 बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश

प्रतिमान - 42
उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-2 -220 वाल्ट
उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे
उत्तर-5 26000